

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच



वर्ष- 18 अंक - 34 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 17 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

डीपीआई ने रायपुर सहित 19 जिलों के डीईओ का रोका वेतन

रायपुर। प्रदेशभर के 19 जिला शिक्षा अधिकारियों का नवंबर माह का वेतन रोकने आदेश जारी किया गया है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा यह आदेश जारी किया गया है। डीपीआई द्वारा अक्टूबर माह के प्रारंभ में उन शिक्षकों तथा कर्मचारियों की जानकारी मांगी गई थी. जिनके द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं कराई जा रही है। इसके लिए गूगल शीट भी प्रेषित किया गया था। निर्धारित अवधि में जानकारी प्राप्त नहीं होने पर रिमाइंडर नोटिस भी भेजा गया इसके बाद भी जिला शिक्षा अधिकारियों ने जानकारी नहीं भेजी। लगातार आदेश की अवहेलना किए जाने के कारण प्रदेश के 19 जिला शिक्षा अधिकारियों का नवंबर माह का वेतन रोकने आदेश जारी किया गया है।

सीआरपीएफ जवान ने घर में लगाई फांसी

धमतरी। सिहावा अंचल में छुट्टी पर अपने गांव आए सीआरपीएफके जवान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार सहित पूरे गांव में शोक का माहौल है। जवान के इस आत्मघाती कदम के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है। मिली जानकारी के अनुसार घटना सिहावा थाना क्षेत्र के सातबहाना गांव की है। यहां 15-16 नवंबर की दरमियानी रात डाकेश सोम (32), पिता भीमकुमार सोम ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में पदस्थ था और 10 दिनों की छुट्टी लेकर अपने गांव आया हुआ था। बताया गया कि जवान की पोस्टिंग कांकेर जिले के अंतागढ़ क्षेत्र में स्थित सीआरपीएफकी 28वीं बटालियन में थी। सोमवार को उसे वापस ड्यूटी पर लौटना था, लेकिन इसके पहले ही उसने यह आत्मघाती कदम उठा लिया।

बिस्कुट चोरी के आरोप में बच्चे की पीट-पीटकर हत्या

बालेश्वर। ओडिशा के बालेश्वर जिले में बिस्कुट चोरी के आरोप में एक 13 साल के लड़के को दुकानदार और उसके बेटे ने पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने शटर तोड़कर दुकान के भीतर स्थित सीसीटीवी का डीवीआर जब्त कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि किशोर की गलती केवल इतनी थी कि उसने बिस्कुट का पैकेट खुद ले लिया था और वहीं खड़े खड़े खा रहा था। जब दुकानदार संतोष बेहरा ने यह देखा तो वह नाराज हो गया। किशोर ने बिस्कुट चोरी से इंकार करते हुए पैसे देने की कोशिश की पर तब तक संतोष भड़क चुका था। उसने किशोर को दुकान के भीतर खींच लिया और अपने पुत्र मानस के साथ उसे इतना मारा कि उसकी मौत हो गई। किशोर का शव दुकान के पीछे स्थित खंडहर में मिला। इसके बाद लोगों ने शव रखकर 12 घंटे तक प्रदर्शन किया। पुलिस द्वारा सख्त कारवाई का आश्वासन देने के बाद ही धरना समाप्त किया गया।

कोयलीबेड़ा के जंगल में नक्सल डम्प बरामद

अंतागढ़। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में सुरक्षा बलों को नक्सल विरोधी अभियान के दौरान महत्वपूर्ण सफलता मिली है। कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र के मोदेमरका और मिच्चेबेड़ा गांवों के बीच जंगल-पहाड़ी इलाके में चलाए गए सर्चिंग अभियान के दौरान नक्सलियों का एक डम्प बरामद किया गया। तलाशी के दौरान जवानों को हथियार, विस्फोटक सामग्री और अन्य नक्सल उपयोग की वस्तुएं मिलीं। सुरक्षा के मद्देनजर संदिग्ध विस्फोटक सामग्री को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

बरी होने के बाद भी 7 साल जेल में रहा शख्स, सुप्रीम कोर्ट ने 30 लाख मुआवजे का दिया आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हत्या के मामले में उच्च न्यायालय से बरी होने के बावजूद सात साल तीन महीने और 29 दिन तक अतिरिक्त जेल में बंद रहे छत्तीसगढ़ के देवीलाल गोंड को उच्चतम न्यायालय ने 30 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने पहले से तय दो लाख रुपए के मुआवजे को अपर्याप्त मानते हुए राज्य सरकार को बढ़ी हुई राशि का भुगतान चार सप्ताह के भीतर करने का निर्देश जारी किया है। न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि यह मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही का नहीं, बल्कि संस्थागत समन्वय की गंभीर विफलता का प्रतीक है। न्यायालय ने निर्दोष नागरिक की इस लंबी कैद को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त व्यक्तिगत स्वतंत्रता के सांविधानिक अधिकार का सीधा उल्लंघन माना है।



देवीलाल गोंड को हत्या के एक मामले में 7 दिसंबर 2012 को गिरफ्तार किया गया था। राजनांदगांव के सत्र न्यायालय ने मामले की सुनवाई करते हुए 14 अगस्त 2013 को उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इस फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने 20 जनवरी 2018 को उनकी दोषसिद्धि तथा सजा को पूरी तरह रद्द करते हुए उन्हें बरी कर दिया था। जेल अधीक्षक ने 3 अप्रैल 2018 और 18 जून 2018 को विधिक सहायता पैनल के संबंधित अधिवक्ता को पत्र लिखकर अपील की अद्यतन स्थिति के बारे में जानकारी मांगी थी लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। अंततः 15 मई 2025 को जब केंद्रीय जेल में बंद सजायाफ्ता कैदियों की अपीलों के रिकॉर्ड का नियमित सत्यापन किया जा रहा था, तब देवीलाल गोंड के बरी होने का सच उजागर हुआ। इसके पश्चात प्रशासनिक कार्रवाई पूरी कर 19 मई 2025 को उन्हें जेल से मुक्त कर दिया गया।

100 साल पुराने गुरुद्वारे में प्रधानमंत्री मोदी ने टेका मत्थाः पुनर्विकास की रखी आधारशिला

पांच मंजिला बनेगा परिसर... पीएम मोदी बोले- भाग्यशाली हूं जो यहां आ सका

मनीला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में ऐतिहासिक खालसा दीवान गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण की आधारशिला रखी, मत्था टेका और गुरुद्वारे में आयोजित अरदास में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए समारोह की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में कहा, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मैं मनीला के गुरुद्वारा खालसा दीवान में आ पाया।



खालसा दीवान गुरुद्वारा फिलीपींस का सबसे पुराना गुरुद्वारा है। इसकी स्थापना 1920 के दशक में हुई थी। यह मनीला में रहने वाले सिख और पंजाबी समुदाय के लिए लंबे समय से धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र रहा है। जानकारी के मुताबिक ऐतिहासिक गुरुद्वारे को एक आधुनिक और भव्य 5 मंजिला कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें समुदाय के लिए पर्याप्त स्थान और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सोमवार को भी प्रधानमंत्री ने आधिकारिक एक्स अकाउंट से इस समारोह के प्रति अपनी खुशी व्यक्त की थी। पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा, 17 नवंबर, एक बहुत ही खास दिन है। मुझे मनीला के ऐतिहासिक गुरुद्वारा खालसा दीवान में पुनर्विकास कार्यों की शुरुआत के अवसर पर आयोजित समारोह में शामिल होने का सौभाग्य मिलेगा। यह गुरुद्वारा एक सदी से भी अधिक पुराना है और इसका बहुत बड़ा आध्यात्मिक महत्व है।

दो साल में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य

गुरुद्वारे के ग्रंथी बाबा मनमोहन सिंह ने बताया कि निर्माण कार्य अगले दो साल में पूरा करने की योजना है। इसका लक्ष्य 2029 में गुरुद्वारे की 100वीं वर्षगांठ तक काम पूरा करना है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफकरते हुए कहा कि पीएम मोदी धार्मिक विचारों वाले व्यक्ति हैं। उन्हें सिख धर्म और गुरुद्वारों के बारे में अच्छी जानकारी है। उनका सिख समुदाय के प्रति सच्चा लगाव है।

उन्होंने आगे कहा कि सिख समुदाय ने गुरु साहिबानों की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर विश्व स्तर पर मानवता और सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

बिलासपुर में बोले सीएम साय

कांग्रेस नेता फ्यूज बल्ब की तरह लगातार चुनाव हारने से बौखलाए

- जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में हुए थे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज



बिलासपुर। बिलासपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि लगातार चुनाव हारने से कांग्रेसी बौखला गए हैं। उनकी बातों में अब कोई वजन नहीं रह गया है। कांग्रेस नेता फ्यूज बल्ब की तरह हो चुके हैं। इन्होंने कभी नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ने का साहस नहीं दिखाया।

दरअसल सोमवार को मुख्यमंत्री साय जनजातीय गौरव दिवस और विकास कार्यों के लोकार्पण-उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने बिलासपुर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने कभी नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में साहस नहीं दिखाया, उन्हें आज नक्सलवाद खत्म करने वाले जवानों का स्वागत करना चाहिए।

सरकार के साथ जवानों ने दिखाया साहस

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री का आशीर्वाद मिला। सरकार और जवानों ने साहस दिखाया और नक्सलवाद खत्म करने में सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की जनता भी नक्सलवाद से ऊब चुकी थी और विकास की मुख्यधारा से जुड़ना चाहती थी। इस अभियान को जनता का भी समर्थन मिला।

अकवान के कारण छत्तीसगढ़ के कई जिलों में होगी बारिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम फिर करवट बदलने वाला है। तूफान अकवान की वजह से कई जिलों में आज बारिश हो सकती है। बंगाल की खाड़ी में बने दबाव की वजह से आज शाम को चक्रवात तूफान का रूप ले सकता है। 20 नवंबर को आंध्र प्रदेश और यानम के तटों को पार कर सकता है। छत्तीसगढ़ में 20 और 21 नवंबर को दक्षिणी इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में हल्की बारिश के संकेत है।

मौसम विभाग ने बताया कि 16 नवंबर को बंगाल की खाड़ी में बना डीप डीप्रेशन एक 'चक्रवाती तूफान' (साइक्लोनिक स्टॉर्म) में बदल सकता है। 17 नवंबर 2026 की शाम तक यह 'गंभीर चक्रवाती तूफान' (सीवियर साइक्लोनिक स्टॉर्म) का रूप ले सकता है। उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने के साथ 19 नवंबर को 'बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान' के रूप में आंध्र प्रदेश तट के पास पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी तक पहुंच सकता है। इसके प्रभाव से कई राज्यों में मौसम बदल सकता है। 25 दिनों के भीतर यह तीसरा तूफान बंगाल की खाड़ी से उठ रहा है।

बड़ा हादसा : टिहरी गढ़वाल के गूलर में पुल से गिरी बस, आठ यात्रियों की मौत

- छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हादसे पर जताया दुःख

हरिद्वार। उत्तराखंड में मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया। हरिद्वार से कर्णप्रयाग जा रही यात्रियों से भरी बस मंगलवार सुबह गूलर के पास हादसे का शिकार हो गई। बस पुल से करीब 100 मीटर नीचे गदेरे में जा गिरी। हादसे में अब तक आठ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। सात लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। जबकि एक घायल की ऋषिकेश एम्स पहुंचने में मौत हो गई। इस हादसे को लेकर छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने दुख जताया है।



मिली जानकारी के अनुसार गूलर बाजार के समीप हुए इस हादसे के समय बस में करीब 30 से 35 लोग सवार थे। बताया गया कि विश्वनाथ सेवा की यह बस सुबह 3:30 बजे हरिद्वार से रवाना हुई थी। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर बस दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ पोस्ट ब्यासी और ढालवाला की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

हादसे में दुख जताते हुए छत्तीसगढ़ के सीएत विष्णुदेव साय ने कहा कि उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले में दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में हुई जनहानि का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। इस दुःखद घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

शराब घोटाला : 61 करोड रुपए की संपत्ति कुर्की पर चैतन्य बघेल ने ईडी को दी चुनौती

- दिवाली के दौरान ईडी ने चैतन्य बघेल की संपत्ति कुर्की का चस्पा किया था नोटिस

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। छत्तीसगढ़ में हुए कथित शराब घोटाले के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल ने लगभग 61 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क करने की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को दिल्ली स्थित अपीलीय न्यायाधिकरण में चुनौती दी है। न्यायाधिकरण ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए जांच एजेंसी को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अब इस प्रकरण में अगली सुनवाई 23 नवंबर को होगी। चैतन्य बघेल ने दुर्ग जिले के अंतर्गत स्थित विट्ठल कॉलोनी के 355 प्लॉट्स पर जांच एजेंसी की ओर से की गई कब्जे की कार्रवाई को भी अपीलीय न्यायाधिकरण में अलग से चुनौती दी है। जांच एजेंसी ने दिवाली अवकाश के दौरान शनिवार को इन प्लॉट्स पर जब्ती का नोटिस चस्पा करके कब्जे की कार्रवाई पूरी की थी। इस पूरी कॉलोनी में कुल मिलाकर 385 प्लॉट्स हैं, जिनमें से 30 प्लॉट्स पूर्व में ही आम खरीदारों को बेचे जा चुके हैं।

यूपी में 18.84 लाख मतदाता बढ़े, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण -2027 के तहत मंगलवार, 17 नवंबर 2026 को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। इस सूची के मुताबिक प्रदेश में कुल 13,58,68,905 मतदाता पंजीकृत हैं। नागरिक 17 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक अपने नाम जुड़वाने, हटवाने या विवरण में संशोधन के लिए दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा 17 नवंबर 2026 को विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 की आलेख्य मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है, जिसमें कुल 13.58 करोड़ से अधिक मतदाता शामिल हैं। 16 दिसंबर तक चलने वाली दावा-आपत्ति अवधि के बाद 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी।

चखने में चिकन खाना पड़ा भारी, गले में अटकी हड्डी और फटी आहार नली

- भिलाई के हाईटेक हॉस्पिटल में हुआ सफल इलाज, गंभीर हालत में हुआ था भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। शराब के साथ चखने में चिकन खाना राजनांदगांव के एक शख्स को भारी पड़ गया। 56 वर्षीय व्यक्ति शराब के साथ चिकन के मजे ले रहा था और बेध्यानी में ऐसी गलती हुई कि उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। दरअसल चिकन खाते समय नुकीली हड्डी को भी उसने निगल लिया जो कि उसके गले में अटक गई। मरीज को गंभीर हालत में 8 नवम्बर की रात हाइटेक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल लाया गया था। यहां विशेषज्ञों की टीम ने तत्काल सर्जरी कर उसकी जान बचा ली।

ईएनटी विशेषज्ञ डॉ अपूर्व वर्मा एवं मरीज के परिजनों ने बताया कि व्यक्ति चिकन खा रहा था। उसी समय एक टुकड़े के साथ फिसल कर हड्डी का एक बड़ा टुकड़ा भी उसके गले से उतर गया। उसने उसे निगलने की बहुत कोशिश की पर असफल रहा। उसे एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने हड्डी के टुकड़े को निकालने की कोशिश की पर वह और भी गहराई में चला गया। इधर अब मुंह से खून भी आने लगा था और गला सूजने लगा था। मरीज को तत्काल हायर सेंटर हाइटेक सुपरस्पेशालिटी हॉस्पिटल रिफर कर दिया गया।

हाईटेक में ईएनटी सर्जन डॉ अपूर्व वर्मा के नेतृत्व में निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ नरेश देशमुख, सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ नविल शर्मा, इंटेंसिविस्ट डॉ नीलिमा बम्बोडे एवं टीम तत्काल जुट गई। मरीज की आहार नली (ईसोफेगस) क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके चलते गले में हवा भर रही थी और वहां सूजन बढ़ रही थी। हड्डी का धारदार टुकड़ा आड़ा फंसा हुआ था। एंडोस्कोप की मदद से ही उसे सावधानी से निकाला गया। पूरी सावधानी बरती गई कि घाव और ज्यादा गहरा न हो। इसके बाद घाव को बंद कर रक्तस्राव को रोका गया। साथ ही संक्रमण से बचाव के सारे उपाय किये गये। मरीज को डॉ नीलिमा की देखरेख में आईसीयू में रखा गया। मरीज अब ठीक है। उसे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। जल्द ही उसे छुट्टी दे दी जाएगी।



संपादकीय

एआई के संकल्प

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षित करना जरूरी

ऐसे वक्त में जब दुनिया में तकनीकी वर्चस्व वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के केंद्र में आ गया है, 'सैन 'फ्रांसिस्को घोषणा' के गहरे निहितार्थ और महत्व को समझना कठिन नहीं है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस घोषणा पर अमेरिका और भारत सहित नौ अन्य विकसित देशों ने हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता इस बात पर जोर देता है कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बल पर ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर घोषणा का एक अघोषित उद्देश्य इस उभरती हुई नई प्रौद्योगिकी में चीन के निरंतर बढ़ते दबदबे का मुकाबला करना भी है। चीन ने एक सुनियोजित ढंग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में व्यापक और दीर्घकालीन निवेश किया है। इसमें दो राय नहीं कि उसकी उपलब्धियां अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने वाली हैं। यही वजह है कि अमेरिका ने 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' को हकीकत बनाने को प्राथमिकता दी है। अमेरिका दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका के चलते इस दौर को 'सुपर इंटेलिजेंस युग' का नाम देता है। अमेरिका की 'पैक्स सिलिका' पहल एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करती है कि दुनिया का कोई भी देश अकेले बूते पर बेहद जटिल प्रक्रिया वाले एआई इकोसिस्टम की हर कड़ी को सुरक्षित नहीं कर सकता है। उदाहरण के तौर पर देखें तो महत्वपूर्ण खनिजों और सेमीकंडक्टर निर्माण से लेकर ऊर्जा नेटवर्क और डिजिटल बुनियादी ढांचे तक, तकनीकी प्रगति आपस में जुड़ी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर करती है। इस श्रृंखला में किसी भी तरह का अवरोध किसी भी देश के आर्थिक ढांचे को गहरे तक प्रभावित कर सकता है। दूसरे शब्दों में कहें तो इन नेटवर्कों में यदि किसी भी तरह का व्यवधान पैदा होता है तो उसके दूरगामी आर्थिक और भू-राजनीतिक दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं। जो किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिये, इस सुपर इंटेलिजेंस युग वाले दौर में तमाम चुनौतियां खड़ी कर सकता है।

> "चीन ने एक सुनियोजित ढंग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में व्यापक और दीर्घकालीन निवेश किया है। इसमें दो राय नहीं कि उसकी उपलब्धियां अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने वाली हैं। यही वजह है कि अमेरिका ने 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' को हकीकत बनाने को प्राथमिकता दी है। अमेरिका दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका के चलते इस दौर को 'सुपर इंटेलिजेंस युग' का नाम देता है। अमेरिका की 'पैक्स सिलिका' पहल एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करती है कि दुनिया का कोई भी देश अकेले बूते पर बेहद जटिल प्रक्रिया वाले एआई इकोसिस्टम की हर कड़ी को सुरक्षित नहीं कर सकता है।

निश्चित रूप से 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' पर भारत का हस्ताक्षर करना एआई के दौर में हमारी उपलब्धियों की वैश्विक स्वीकार्यता का ही परिचायक है। भारत के लिए अमेरिका और अन्य विकसित देशों के साथ शामिल होना जहां एक ओर अच्छा रणनीतिक अवसर है, वहीं देश को जिम्मेदारियों का अहसास भी कराता है। भारत हालिया वर्षों में एक उभरते हुए टेक्नोलॉजी बाजार के रूप में सामने आया है। भारत की महत्वाकांक्षा वैश्विक सेमीकंडक्टर और मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की रही है। हाल के वर्षों में भारत ने आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और कई मध्यपूर्व के देशों के साथ मजबूत व्यापारिक साझेदारियां की हैं। जाहिर तौर पर ये विकसित व मजबूत आर्थिक देश जब कोई साझेदारी करते हैं तो उन्हें कुछ पाने की ही उम्मीद होती है। ऐसे में भारत इन मजबूत साझेदारियों, विभिन्न आपूर्ति श्रृंखलाओं, निवेश और उन्नत तकनीकों का बेहतर ढंग से लाभ उठा सकता है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि इन भरोसेमंद साझेदारों के साथ सहयोग करने से भारत पहले की तरह चंद देशों पर अत्यधिक निर्भरता कम कर सकता है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में एक देश पर निर्भर रहना आर्थिक संप्रभुता के लिये चुनौती बन सकती है। ऐसे में नये भरोसेमंद साझेदारों के साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में मदद मिल सकती है। विडंबना यह भी है कि यह घोषणा ऐसे समय में सामने आई है, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्रांति की अगुवाई करने वाली शीर्ष कंपनियों में से एक-एनवीडिया विवादों में घिरी है और उसके शेयरों पर प्रतिकूल असर पड़ा है। विवाहेतर संबंधों व कथित चीनी जासूस से संबंधों को लेकर इसके संस्थापक जेनसेन हुआंग को एनवीडिया से बाहर जाना पड़ा है। इस अनिश्चितता के बीच, टेक कंपनियों द्वारा एनवीडिया की चिप्स और डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर में किए जा रहे भारी निवेश की निरंतरता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। निस्संदेह, अमेरिका के नेतृत्व वाली इस पहल की सफलता टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, निवेश और मजबूत घरेलू क्षमताओं पर निर्भर करेगी। अंतत: एआई आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने का मतलब सिर्फ तकनीक पर नियंत्रण रखना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है एआई के फायदे भरोसेमंद हों, सभी की पहुंच में हों और इसे व्यापक रूप से साझा किया जा सके।

अग्निपथ योजना में बदलाव का सही समय

एडमिरल अरुण प्रकाश (सेवानिवृत्त)

अग्निपथ योजना लागू होने के चार साल बाद सेवा अवधि बढ़ाने का फैसला एक तरह से इसकी खामियों को स्वीकारना है। इस योजना का असर सैन्य प्रशिक्षण, कौशल निर्माण, यूनिट एकता और युद्ध क्षमता पर पड़ सकता है। एक जांची-परखी...

अग्निपथ योजना लागू होने के चार साल बाद सेवा अवधि बढ़ाने का फैसला एक तरह से इसकी खामियों को स्वीकारना है। इस योजना का असर सैन्य प्रशिक्षण, कौशल निर्माण, यूनिट एकता और युद्ध क्षमता पर पड़ सकता है। एक जांची-परखी भर्ती प्रणाली से छेड़छाड़ की कीमत चुकानी पड़ती है। दरअसल लागत के बजाय युद्धक दक्षता अहम है। पुरानी भर्ती व्यवस्था की बहाली बेहतर कदम होगा।

लागू होने के चार साल बाद, अग्निपथ योजना के समक्ष पहली बड़ी चुनौती बनी, और सरकार ने चुपचाप नीति में बदलाव कर दिया। गत 4 नवंबर को, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अग्निवीरों की सेवा अवधि में दो साल के विस्तार को मंजूरी दे दी। चार साल का अनुबंध पूरा होने के बाद, जो अग्निवीर योग्यता के आधार पर शीर्ष 25 फीसदी में नहीं आ पाएंगे, उन्हें बतौर नियमित सैनिक शामिल होने का एक और मौका मिलेगा। अगर तो यह वास्तव में योजना को वापस लेने की शुरुआत है, तो स्वागतयोग्य है। लेकिन चार साल बाद ऐसा बदलाव होने पर वह सवाल उठता है जिसका उत्तर 2022 में कभी सही नहीं दिया गया था : सर्वप्रथम, एक समयसिद्ध, सफल व अच्छी तरह स्थापित प्रणाली इतनी जल्दबाजी में क्यों बदली जा रही है?

14 जून, 2022 को प्रेस सूचना ब्यूरो के एक नोट में कहा गया कि इस योजना से 'सशस्त्र बलों का चेहरा युवा रहेगा', 'नया जोश और जज्बा भरेगा' व सेना 'और अधिक तकनीक-कुशल' बनेगी। इसमें देशभक्ति, टीमवर्क, शारीरिक फिटनेस व देश के प्रति निष्ठा जैसे लाभों का भी जिक्र किया गया था।

उक्त 'तर्कों' में से एक भी भर्ती की एक स्थापित प्रणाली, बुनियादी प्रशिक्षण व सैनिकों को चरणबद्ध रूप से शामिल करने की व्यवस्था को ध्वस्त करके, उसकी जगह एक ऐसी योजना लाने को न्यायोचित नहीं ठहराती, जिसे पहले कभी आजमाया नहीं हो और जो मूलत: त्रुटिपूर्ण है। जिन्होंने भर्ती रैलियां देखी हैं या उनके बारे सुना है, वे जानते हैं कि हमारे देश के युवाओं में जोश-जज्बे की कोई कमी नहीं; वे हजारों की संख्या में सेना में शामिल होने आते हैं। हमारी रेजिमेंटों, युद्धपोतों और स्क्वाड्रनों में नियुक्त फौजियों में देशभक्ति, टीमवर्क और फिटनेस पर कभी कोई सवाल नहीं उठा। साथ ही, 'देश के प्रति वफादारी' पैदा करने का तर्क इतना भी मजबूत नहीं कि इसके लिए कोई ऐसा उपाय किया जाए, जो दीर्घकाल में सशस्त्र बलों के मूल ढांचे पर ही असर डाल दे।

भर्ती की औसत उम्र की घटाना एक अच्छा लक्ष्य लग सकता है, लेकिन उम्र का सीधा संबंध युद्ध लड़ने की क्षमता से नहीं होता। यह क्षमता कौशल से बनती है, और कौशल हासिल करने में समय लगता है। ज्यादातर देहात से आने वाले और हमारी त्रुटिपूर्ण शिक्षा प्रणाली से निकले नए रंगरूटों के लिए चार से छह महीने का बुनियादी प्रशिक्षण नाकाफी है। किसी सैनिक, नाविक या वायुसैनिक को जटिल और महंगे युद्धक उपकरण या हथियार सौंपना या उसको असल युद्ध जैसी स्थितियों में उतारने से पहले, दो-तीन साल का व्यावहारिक एवं काम के दौरान अनुभव पाने हेतु प्रशिक्षित करना अनिवार्य है।

हो सकता है कि कोई नया रंगरूट स्मार्टफोन चलाने में माहिर हो, लेकिन रडार, फायर-कंट्रोल सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल, एयरो-इंजन या साधारण डीजल जनरेटर कैसे काम करते हैं, यह समझने और एक कुशल 'ऑपरेटर' बनने की महारत के लिए उसे महीनों प्रशिक्षण की जरूरत होगी। ऑपरेटरों के साथ 'मेंटेनर' होते हैं, जो इन प्रणालियों की सर्विसिंग करते हैं और खराबियां ठीक करते हैं। इन्हें



प्रशिक्षित होने में और ज्यादा समय लगता है। इन सबके ऊपर 'उस्ताद' होते हैं, जिनका दशकों का अनुभव होता है और ये उस्ताद अधिकारियों सहित सबको सिखाते हैं। साढ़े सत्रह साल की उम्र में भर्ती होने वाले हर सैनिक को सिखाने के लिए, सेनाओं को अनुभवी और युद्ध से तपे सूबेदार मेजर, मास्टर चीफ पेटी ऑफिसर और मास्टर वारंट ऑफिसर की जरूरत होती है, जो 54-56 साल की उम्र में रिटायर होते हैं। अगर आप इस व्यवस्था के साथ छेड़छाड़ करेंगे, तो कहीं न कहीं कीमत चुकानी ही पड़ेगी। इसका उदाहरण नौसेना में देखने को मिला, जिसने 2022 में अपना 'आर्टिफिसर कैडर' खो दिया, वह इकाई जो नौसेना के हथियार, सेंसर और मशीनरी के रखरखाव की आपूर्तिकर्ता होती है।

अग्निपथ योजना के तहत, चार साल के कार्यकाल में से अगर बुनियादी प्रशिक्षण, वार्षिक छुट्टी और सेवामुक्त होने से पहले की अवधि घटा दें, तो एक सैनिक की वास्तविक उपलब्धता लगभग तीन साल ही बचती है। इससे कुछ परेशानीकारक सवाल उठते हैं: क्या सेना ऐसे व्यक्ति को तकनीकी स्किल सिखाने में निवेश करना चाहेगी,जिसकी नौकरी जल्द ही खत्म होने वाली हो? क्या अग्निवीर खुद भी इन कौशलों को सीखने में दिलचस्पी लेगा, जब उसका आगे बने रहना ही पक्का न हो? योजना के तथाकथित लाभ दोनों ही पक्षों के लिए गलत दिशा की ओर इंगित करते हैं। चाहे यह विचार सेना मुख्यालय से आया हो या रक्षा मंत्रालय ने थोपा हो, इतने बड़े बदलाव को पहले एक 'पायलट प्रोजेक्ट' के रूप में आजमाना चाहिए था—यानी इसे किसी एक या अधिक सैन्य यूनिटों में प्रयोग किया जाता, या बेहतर होगा कि 'टेरिटोरियल आर्मी' में लागू कर देखा जाता और फिर परिणामों का विश्लेषण किया जाता। इसके बजाय, पूरी सशस्त्र सेना पर अचानक इस जोखिम भरे प्रयोग को लाद दिया गया।

हालांकि सरकार लगातार यह कहती रही है कि इसके पीछे कोई वित्तीय मकसद नहीं, लेकिन लगभग तय है कि अग्निवीर योजना रक्षा मंत्रालय के बढ़ते 'कार्मिक खर्चे' को नियंत्रित करने से चालित है, क्योंकि सब खर्चों के बाद,हथियारों और उपकरणों की खरीद के लिए उपलब्ध फंड में कमी आ जाती है। तथापि, पेंशन खर्च मद में बचत किए जाने की एवज में रक्षा क्षमताओं से समझौता करना बहुत बुरा सौदा है। अगर बचत इसका मुख्य उद्देश्य नहीं था, तब तो इस योजना का सबसे ठोस आधार ही खत्म हो जाता है। केंद्र सरकार की पेंशन प्रणाली के लाभार्थी केवल पूर्व सैनिक ही नहीं हैं। सिविल नौकरशाही का पेंशन खर्च भी उसी दर से बढ़ रहा है, फिर भी कोई यह सुझाव नहीं देता कि उनके कार्यकाल को घटा कर, साल में दो बार मिलने वाले महंगाई भत्ते को रोककर, या 8वें वेतन आयोग को टालकर पैसे की समस्या को सुलझाया जाए।

अपनी 1999 की किताब 'डिफेंडिंग इंडिया' में, पूर्व भाजपा मंत्री और सेना (बख्तरबंद फौज) के सेवानिवृत्त मेजर जसवंत सिंह ने लिखा था कि 'राष्ट्रीय सुरक्षा को सरकारी खजाने पर पहली लागत माना जाता है'। उन्होंने चेताया था कि पेंशन का भुगतान, वेतन एवं भत्तों की तुलना में तिगुणी तेजी से बढ़ रहा है- एक ऐसी समस्या जिसका सामना देश को एक दिन करना ही पड़ेगा। तेईस साल बाद, अग्निपथ को एक 'रामबाण' के रूप में पेश किया गया—एक वित्तीय समाधान, जिसे 'सैन्य सुधार' का नाम देकर थोपा गया। बीते कुछ सालों से, ऐसे कई उदाहरण हैं, जिसमें सशस्त्र सेनाओं को कतिपय राजनीतिक आदेशों या अदालती फैसलों को मानने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिससे उनके मूल सिद्धांतों और युद्ध के लिए तैयार रहने की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। सैन्य नेतृत्व को दृढ़ता रखनी चाहिए और स्पष्ट संदेश दे : कोई भी प्रस्तावित सुधार या बदलाव अनिवार्यत: इस कसौटी पर खरा उतरता हो- क्या इससे युद्ध क्षमता बढ़ेगी है या घटेगी? अग्निपथ योजना इस कसौटी पर विफल रहती है : यह अनिवार्य प्रशिक्षण को प्रभावित करती है, सैनिकों के बीच अलग-अलग श्रेणियां पैदा कर, यूनिट के भीतर आपसी जुड़ाव को भंग करती है, और उन सैनिकों का मनोबल गिराती है, जिन्हें ऐसी शर्तों के तहत अपनी जान जोखिम में डालने के लिए कहा जाए, जो साथी सैनिकों पर लागू नहीं होतीं।

दो साल का विस्तार शायद एक कठिन फैसले को टालकर कुछ वक्त की राहत दे दे, लेकिन यह उपाय चीज़ें सुलझाने की बजाय और अधिक समस्याएं पैदा करता है और सेना को दुविधा में डालता है। अगर सरकार अब मान रही है कि ऑपरेशनल जरूरतों के लिए प्रशिक्षित जवानों को सेवा में बनाए रखना जरूरी है, तो उसे पर्याप्त प्रशिक्षण आधारित पुराना भर्ती मॉडल फिर से लागू करना चाहिए, 'कलर सर्विस' (सक्रिय सेवा) की एक न्यूनतम अवधि तय हो, और किसी भी भावी सैन्य सुधार का मूल्यांकन सिर्फ 'युद्ध क्षमता' के आधार पर किया जाए।

अग्निपथ योजना में पैबंद लगाकर सुधार करके काम नहीं चलने वाला; इसे पूरी तरह से रद्द कर देना चाहिए।

लेखक पूर्व नौसेनाध्यक्ष हैं।

कैंसर उपचार को किफायती और सुलभ बनाने की दिशा में पहल



अनुप्रिया पटेल

चिकित्सा विज्ञान में हुई प्रगति ने कैंसर सहित अनेक गंभीर बीमारियों के उपचार की संभावनाओं को पहले से कहीं अधिक व्यापक बना दिया है। नई दवाओं, लक्षित उपचार और इम्युनोथेरेपी जैसी बहुत प्रभावशाली आधुनिक पद्धतियों ने कई प्रकार के कैंसर के उपचार में नई उम्मीद जगाई है। कैंसर का प्रभाव केवल मरीज के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह उसके परिवार के भावनात्मक, सामाजिक और आर्थिक जीवन को भी प्रभावित करता है। ये भी सच है कि उपचार की लंबी प्रक्रिया, अस्पतालों के लगातार चक्कर और दवाओं की ऊंची कीमतें जैसी कई चुनौतियों के कारण मरीज और उसके परिजन बिना लड़ाई लड़े ही उम्मीद खोने लगते हैं।

मरीजों को मिलेगी सीधी राहत

कैंसर की दवाओं की ऊंची कीमतों के पीछे कई कारक जिम्मेदार हैं। जहां एक ओर, विशेष रूप से बायोलॉजिकल दवाओं और नई उपचार पद्धतियों के अनुसंधान, विकास एवं विनिर्माण में होने वाला भारी निवेश इनकी लागत को प्रभावित करता है, वहीं दूसरी ओर, आपूर्ति श्रृंखला में अत्यधिक व्यापारिक मार्जिन जैसी अनुचित प्रथाओं के कारण कैंसर की दवाएं महंगी होती हैं।

इसी संदर्भ में, भारत सरकार ने जनहित में 137 चिन्हित गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं के व्यापार मार्जिन का युक्तिसंगतीकरण (टीएमआर) किया है। इसमें न केवल घरेलू बाजार में उपलब्ध दवाएं शामिल हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर उपलब्ध दवाएं भी शामिल हैं। इसके तहत इन दवाओं पर अधिकतम व्यापार मार्जिन 30 प्रतिशत निर्धारित किया है। यह कदम सुनिश्चित करता है कि वर्तमान और भविष्य की कैंसर दवाओं को 30त्न मार्जिन के अंतर्गत कवर किया जाए। जिससे 1000 से अधिक कैंसर दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में 20%-70% की कमी आई है। दवाओं और ब्रांडों के स्तर पर वास्तविक मूल्य कटौती अलग-अलग हो सकती है।

उम्मीद है कि इससे न केवल कैंसर का उपचार अधिक किफायती होगा, बल्कि उन मरीजों को भी समय पर उपचार शुरू करने का भरोसा मिला है, जो अब तक इसकी ऊंची लागत के कारण कैंसर के इलाज में पहला कदम उठाने में हिचकिचाते रहे थे।

कैंसर के उपचार में प्रयोग होने वाली कुछ आधुनिक दवाएं, विशेषकर जैविक दवाएं और इम्युनोथेरेपी, पारंपरिक रासायनिक दवाओं की तुलना में अधिक महंगी होती हैं। जिसका कारण, इनके विकास और निर्माण की जटिल प्रक्रिया है। जहां सामान्य रासायनिक दवाएं नियंत्रित रासायनिक प्रक्रियाओं से तैयार की जाती हैं, वहीं जैविक दवाएं जीवित कोशिकाओं और जैविक प्रणालियों की सहायता से विकसित होती हैं। इनके निर्माण के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, विशेष उत्पादन सुविधाओं, जटिल तकनीकों और गुणवत्ता के कड़े मानकों की जरूरत होती है।

इसके अलावा, इनकी सुरक्षा और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए लंबे शोध और व्यापक क्लिनिकल परीक्षण भी किए जाते हैं, जो भी सामान्य से अधिक जटिल होती है। इन सभी पहलुओं का असर दवाओं की लागत पर पड़ता है। इसलिए कैंसर की दवाओं की कीमतों को कम करने के प्रयास में यह समझना भी जरूरी है कि एक ओर नई चिकित्सा तकनीकों को प्रोत्साहन मिले, वहीं दूसरी ओर उनका लाभ मरीज तक भी पहुंचे।

कैंसर की इन महंगी दवाओं को मरीजों तक सुलभ बनाने के लिए, अधिक से अधिक अस्पतालों को टाटा मेमोरियल अस्पताल के कैंसर ग्रिड का हिस्सा बनना होगा, जहां बातचीत के जरिए कीमतों में छूट देकर नई चिकित्सा पद्धतियों को मरीजों के लिए किफायती बनाया जा रहा है। इसके अलावा, सीजीएचएस जैसी सरकारी खरीद प्रणाली से इन नई दवाओं की थोक खरीद करके इन्हें मरीजों तक पहुंचाया जा सकता है।

एनपीपीए की वेबसाइट और 'फार्मा सही दाम' पर देखें संशोधित कीमतें

यह सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि दवाओं की कीमतों में की गई कमी का वास्तविक लाभ मरीजों को मिले और यह कमी अस्पतालों के बिलों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे। सरकारी और निजी, दोनों तरह के अस्पतालों में यह सुनिश्चित करना होगा कि मरीजों से संशोधित कीमतों के अनुसार ही भुगतान लिया जाए। संशोधित कीमतें 9 नवंबर, 2026 से हो चुकी हैं। मरीज एनपीपीए की वेबसाइट और 'फार्मा सही दाम' मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से कीमतों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। क्योंकि कैंसर रोधी दवाओं की एक बड़ी आपूर्ति सीधे अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों को की जाती है, इसलिए उन्हें निर्धारित तारीख से ही मरीजों को कम कीमतों पर दवाएं उपलब्ध करानी होंगी। दवाओं की नई कीमतें अस्पतालों और फार्मेसियों में प्रमुखता से प्रदर्शित होनी चाहिए। सरकार इस व्यवस्था के प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी अस्पताल और फार्मेसी स्तर पर राज्य औषधि नियंत्रक (स्टेट ड्रग कंट्रोलर्स) निर्माताओं के माध्यम से कर रही है। । इसके साथ ही, Pharma Sahi Daam ऐप पर प्राप्त होने वाली शिकायतों और फीडबैक के जरिए भी स्थिति पर नजर रखी जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्य में की गई कटौती का पूरा लाभ मरीजों तक पहुंचे। कैंसर, रोगी और उसके परिवार दोनों के लिए एक लंबी लड़ाई है। डॉक्टरों और अस्पतालों के लिए, कैंसर से जंग जीतने वाला हर मरीज उनकी सफलता की एक और कड़ी है। सभी प्रकार की कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन कैप लगाने से कैंसर का इलाज किफायती और सुलभ हो जाएगा। अस्पतालों, फार्मेसियों और गैर सरकारी संगठनों के सामूहिक प्रयासों से कैंसर रोगी और उनके परिवारों को किफायती कैंसर देखभाल और करीब हम लाने में सक्षम होंगे। अंतत: किसी भी स्वास्थ्य नीति की सार्थकता इसी में है कि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति और नवाचार जारी रहने चाहिए और इसका लाभ हर जरूरतमंद मरीज तक पहुंचे और आर्थिक कठिनाइयां उसके उपचार के रास्ते में बाधा न बनें।

(अनुप्रिया पटेल, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री हैं।)

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से खुशहाल हो रहे अन्नदाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और अन्नदाताओं के आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का सकारात्मक परिणाम खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में देखने को मिल रहा है। प्रदेश सहित कोंडागांव जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत के साथ ही किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और खरीदी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। शासन की इन पहलों से किसानों को न केवल आर्थिक संबल मिल रहा है, बल्कि धान विक्रय की प्रक्रिया भी पहले की अपेक्षा अधिक सुगम हो रही है।

जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की सुविधा ने किसानों की परेशानी काफी कम कर दी है। अब किसानों को टोकन कटाने के लिए बार-बार उपार्जन केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, बल्कि वे घर बैठे ही टोकन प्राप्त कर अपनी सुविधानुसार धान विक्रय की तैयारी कर पा रहे हैं। वहीं इलेक्ट्रॉनिक तौलयंत्र से धान का वजन किए जाने से खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित



हो रही है। इसके साथ ही माइक्रो एटीएम के माध्यम से उपार्जन केंद्र में ही भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

धान खरीदी की व्यवस्थाओं से किसानों में संतोष और उत्साह का माहौल है। धान उपार्जन केंद्र गिरोला में पहले दिन अपनी उपज बेचने पहुंचे किसान दिलीप दिवान ने बताया कि वे पहले दिन 100 क्विंटल धान विक्रय करने आए हैं। उन्होंने ऑनलाइन टोकन के माध्यम से घर बैठे ही धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त किया, जिससे उन्हें काफी सहूलियत हुई। उन्होंने कहा कि मोबाइल एप के जरिए टोकन प्राप्त करने की व्यवस्था से समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है। इसी तरह ग्राम गिरोला निवासी किसान पुनउराम शोरी ने बताया कि उपार्जन केंद्र में धान खरीदी की सुव्यवस्थित व्यवस्था है। ऑनलाइन टोकन की सुविधा से घर बैठे ही टोकन प्राप्त हो जाता है, जिससे किसानों को



अनावश्यक परेशानी नहीं उठानी पड़ती। वहीं ग्राम सातगांव निवासी किसान मेघनाथ दीवान ने बताया कि उनका 16 क्विंटल धान का टोकन कटा है और वे पहले दिन ही अपनी उपज बेचने उपार्जन केंद्र पहुंचे हैं।

किसानों ने राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था और कम मात्रा में धान विक्रय करने पर भी समान प्रोत्साहन सहायता राशि देने के निर्णय की सराहना की। उन्होंने इसे किसानों के हित में लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय बताते हुए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

कम धान विक्रय करने पर भी मिलेगी पूरी सहायता राशि

राज्य सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में पंजीकृत किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल के मान से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था की है। इसके साथ ही सरकार ने एक महत्वपूर्ण किसान हितैषी निर्णय लेते हुए यह सुनिश्चित किया है कि यदि कोई किसान निर्धारित अधिकतम उपार्जन सीमा 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम मात्रा में भी धान अथवा धान बीज का विक्रय करता है, तब भी उसे उसके बोए गए संपूर्ण सत्यापित रकबे के आधार पर प्रति एकड़ 13,839 रुपये की दर से पूरी सहायता राशि प्राप्त होगी। इससे किसानों को कम उपज विक्रय करने की स्थिति में भी आर्थिक सुरक्षा और प्रोत्साहन का लाभ मिलेगा।

राज्य सरकार की इन किसान हितैषी पहलों से शासन का उद्देश्य केवल धान की खरीदी तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना भी है। ऑनलाइन टोकन, पारदर्शी तौल, सुविधाजनक भुगतान और पूरी सहायता राशि सुनिश्चित करने जैसे निर्णय किसानों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इन व्यवस्थाओं से जिले के अन्नदाताओं में विश्वास बढ़ा है और खेती-किसानी को आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल हुई है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

भिलाई में 18 नवंबर को सजेगी डॉ. येसुदास जी को समर्पित संगीत संध्या

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा आगामी 18 नवंबर 2026 (बुधवार) को महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर, भिलाई में पद्मविभूषण डॉ. के.जे. येसुदास को समर्पित 'डॉ. येसुदास नाइट' का आयोजन किया जाएगा। भिलाई के संगीत प्रेमियों के लिए एक यादगार संगीतमय संध्या कार्यक्रम शाम 7:30 बजे से प्रारंभ होगा। इस विशेष संगीतमय आयोजन में भिलाई इस्पात संयंत्र के ख्यातिलब्ध गायक पी.टी. उल्लास कुमार, डॉ. येसुदास के सदाबहार एवं लोकप्रिय फिल्मी गीतों की शानदार प्रस्तुति देंगे। उनकी गायकी के साथ इस संध्या को और भी यादगार बनाने के लिए मुंबई की राष्ट्रीय स्तर की गायिका सुश्री शाहीन को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा भिलाई के जाने-माने गायक एवं गायिकाएं भी अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। डॉ. येसुदास के सुरीले संगीत सफर और उनके लोकप्रिय गीतों की विविधता को समर्पित इस कार्यक्रम में पी.टी. उल्लास कुमार अपनी विशिष्ट शैली में उनके फिल्मी गीतों की खूबसूरती और गायकी की बारीकियों को प्रस्तुत करेंगे।

निगम के 16 सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानपूर्वक दी गई विदाई

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग के मोतीलाल सभागार में सोमवार को सेवानिवृत्त हुए 16 अधिकारी-कर्मचारियों के सम्मान में गरिमामय विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में निगम आयुक्त लीना कोसम, सभापति श्याम शर्मा, सामान्य प्रशासन विभाग प्रभारी मनीष साहू एवं पार्षदों ने सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को शॉल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान उनके सेवाकाल में किए गए समर्पण, निष्ठा एवं योगदान की सराहना करते हुए स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। समारोह को संबोधित करते हुए आयुक्त लीना कोसम ने कहा कि जीवन के महत्वपूर्ण 30 से 40 वर्ष पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ शासकीय सेवा को देना अपने आप में गौरव और उपलब्धि की बात है। विभिन्न नियमों, प्रक्रियाओं और जनअपेक्षाओं के बीच अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का विराम नहीं, बल्कि एक नई और ऊर्जावान पारी की शुरुआत है। अब सभी सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी अपने परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताएं, अपनी रुचियों को पूरा करें तथा स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि लंबे सेवाकाल के दौरान अधिकारी-कर्मचारियों ने जो अनुभव और ज्ञान अर्जित किया है, वह समाज के लिए बेहद उपयोगी है। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे अपने अनुभवों के माध्यम से नागरिकों और युवाओं को उचित मार्गदर्शन देते रहें।

अंतरराष्ट्रीय तकनीकी प्रतियोगिता में भिलाई के विद्यार्थियों ने जीते दो पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के एटीएल-बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 के विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय तकनीकी प्रतियोगिता 'मेक इन सिलिकॉन-2026' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दो पुरस्कार हासिल किए हैं। विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), तकनीकी नवाचार और रचनात्मक सोच के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर विद्यालय एवं भिलाई का गौरव बढ़ाया।



भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), नया रायपुर में 13 से 15 नवंबर 2026 तक आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रुड़की के प्रोफेसरों द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता की 'स्मार्ट इनोवेशन इन एआई एम्बेडेड प्लेटफॉर्म' श्रेणी में विद्यालय की टीम ने 106 प्रतिभागी टीमों के बीच दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस टीम में पी. मयंक, शुभम प्रजापति और श्रेयस शामिल थे। टीम को 5,500 रुपये की पुरस्कार राशि और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं, 'एआई इन सर्किट सिस्टम' श्रेणी में विद्यालय की दूसरी टीम ने 70 प्रतिभागी टीमों के बीच तीसरा स्थान हासिल किया। इस टीम में अभिजय चौधरी, अलौकिक और अमीन खान शामिल थे। टीम को 3,000 रुपये की पुरस्कार राशि एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

विद्यार्थियों की यह सफलता विद्यालय में संचालित अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल) के माध्यम से विकसित की जा रही वैज्ञानिक अभिरुचि, नवाचार क्षमता और तकनीकी दक्षता का प्रमाण है। इस प्रयोगशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने विचारों को व्यावहारिक स्वरूप देने, नए प्रयोग करने और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में अपनी क्षमताओं को निखारने का अवसर मिल रहा है। प्रतियोगिता में दो पुरस्कार हासिल करना विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच और निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। इस उपलब्धि से भिलाई इस्पात संयंत्र, विद्यालय प्रबंधन और समूचा विद्यालय परिवार गौरवान्वित है।

आदिवासी समाज आदिकाल से भगवान राम और महाभारत के युग से ही देश की संस्कृति का मुख्य आधार रहा है- सांसद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कला मंदिर में भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय भव्य समारोह का आयोजन किया गया। सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। जनजातीय गौरव दिवस के तहत आयोजित कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, उनके अदम्य साहस, संघर्ष और स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए अमूल्य योगदान एवं बलिदान को स्मरण किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सांसद श्री बघेल ने कहा कि महात्मा गांधी को जैसे राष्ट्रपिता के रूप में संबोधित किया जाता है, वैसे ही भगवान बिरसा मुंडा को धरती के पिता के रूप में संपूर्ण देश आदर और सम्मान के साथ याद करता है। उन्होंने कहा कि एक साधारण आदिवासी परिवार में जन्मे बिरसा मुंडा ने अल्प आयु में ही अपने अदम्य साहस, वीरता और तीर-कमान के दम पर ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ पड़े। बिरसा मुंडा का संघर्ष केवल आदिवासी समाज तक सीमित नहीं था, बल्कि संपूर्ण मानवता और सर्वसमाज के उत्थान के लिए था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की परिकल्पना के अनुरूप वर्ष 2021 से 15 नवंबर को 'जनजातीय



गौरव दिवस' के रूप में मनाने का ऐतिहासिक संकल्प लिया गया, ताकि आने वाली पीढ़ियां भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों से प्रेरणा ले सकें। सांसद बघेल ने कहा कि आदिवासी समाज आदिकाल से भगवान राम और महाभारत के युग से ही देश की संस्कृति का मुख्य आधार रहा है। आदिवासियों के वेशभूषा, खान-पान, और रहन-सहन में भले ही आधुनिकता का प्रभाव आया हो, लेकिन उनकी मूल संस्कृति और राष्ट्र के प्रति निष्ठा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के अनुरूप देश से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म किया जा रहा है, ताकि आदिवासी क्षेत्रों में भी विकास के सभी संसाधन और समानता की व्यवस्था सुगमता से पहुंच सके। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा, वीर नारायण सिंह, गुंडाधुर और गेंदलाल जैसे महापुरुषों के आदर्शों पर चलते हुए निरंतर जनसेवा और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की बात कही। समारोह के दौरान केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि भारत की आजादी की लड़ाई से लेकर अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण तक, जनजातीय समाज का योगदान अतुलनीय है। समाज के समग्र उत्थान पर जोर देते हुए कहा कि आज हमारा दायित्व है कि जनजाति समाज का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, कोई भी युवा अवसरों के अभाव में पीछे न छूटे और कोई भी परिवार विकास की मुख्यधारा से अछूता न रहे। विधायक श्री चंद्राकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजाति समाज के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया गया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना, धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान और एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय जैसी महत्वपूर्ण पहलों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती की बधाई देते हुए कहा कि बस्तर से सरगुजा तक जनजाति समाज ने अपनी मेहनत, संघर्ष और सांस्कृतिक विरासत से प्रदेश को विशिष्ट पहचान दी है। भगवान बिरसा मुंडा ने हमे न सिर्फ जल, जंगल और जमीन दिया, बल्कि हमे जीवन जीने का आधार दिया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा एक भारतीय आदिवासी स्वत्रंतत्रा सेनानी और लोकनायक थे, जिन्हे आदिवासी समाज द्वारा धरबी आबा (पृथ्वी के पिता) के रुप में पूजा जाता है। स्वतंत्रता के लिए जनजातीय समुदाय के संघर्षो को हमें कभी नहीं भूलना चाहिये और हमें यह भी याद रखना चाहिये कि हमारे देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में जनजातीय समुदाय का योगदान अविस्मरणीय है। भगवान बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ मुंडा जनजाति के विद्रोह का नेतृत्व किया।

तृतीय लिंग समुदाय के सम्मान के साथ सजी अखिल भारतीय काव्य गोष्ठी, साहित्य और संगीत का अनूठा संगम



श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ऐतिहासिक साहित्यिक चेतना मंच के तत्वावधान में तृतीय लिंग समुदाय के सम्मान समारोह एवं अखिल भारतीय काव्य गोष्ठी का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। सामाजिक समरसता, समानता, मानवीय संवेदना और आपसी भाईचारे को समर्पित इस अनूठे आयोजन में देश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे साहित्यकारों, कवियों, शायरों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। लगभग 100 से 150 लोगों की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मान, साहित्य और संगीत का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कमांडेंट विवेक श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नागपुर से पधारे राष्ट्रीय गायक शकील अली ने की।

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने अपने उद्बोधन में तृतीय लिंग समुदाय के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता व्यक्त करते हुए कहा कि आज वे जिस मुकाम पर हैं, उसमें गुरु माता का आशीर्वाद भी महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने गुरु माता के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान और समान अवसर मिलना चाहिए। किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके लिंग के आधार पर नहीं, बल्कि उसके व्यक्तित्व, प्रतिभा और कर्मों से होनी चाहिए। उन्होंने इस प्रकार के आयोजन को सामाजिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

एसपी विजय अग्रवाल ने किया 'सेवा सरिता' भाग-2 पुस्तक का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कसारीडीह स्थित प्रशांति मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में दुर्ग जिला पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल (आईपीएस) ने 'सेवा सरिता' पुस्तक के भाग-2 का विमोचन किया। इस पुस्तक का संकलन जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य एवं श्री सत्य साईं सेवा समिति के जिला चिकित्सा सेवा प्रभारी दिलीप ठाकुर द्वारा किया गया है। इसमें उनके द्वारा वृद्धाश्रम, केंद्रीय जेल, ग्रामीण क्षेत्रों एवं जिला चिकित्सालय में जरूरतमंदों की सेवा के साथ किए गए विभिन्न रचनात्मक एवं सामाजिक कार्यों का विवरण संकलित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व 'सेवा सरिता' भाग-1 का विमोचन राजभवन में महामहिम राज्यपाल रमेन डेका के करकमलों से हुआ था। राज्यपाल ने पुस्तक में संकलित सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे राजभवन के पुस्तकालय में रखने के निर्देश भी दिए थे। यह उपलब्धि पुस्तक के माध्यम से किए गए सामाजिक एवं



सेवा कार्यों को मिली महत्वपूर्ण पहचान के रूप में देखी जा रही है।

'सेवा सरिता' भाग-2 में जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता, स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक सरोकार और मानव सेवा के विभिन्न प्रयासों को शब्दों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को प्रोत्साहित करना है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर श्री सत्य साईं सेवा समिति के सदस्यों, ओम सत्यम शिक्षण एवं जन विकास समिति के सदस्यों तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दिलीप ठाकुर को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

बीएसपी स्कूल, सेक्टर-10 में बीएसपी अंतर-विद्यालयीन संगीत प्रतियोगिता का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की शैक्षणिक सत्र 2026-27 के विद्यालयीन कैलेंडर के अनुसार बीएसपी अंतर-विद्यालयीन संगीत प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 भिलाई में सफलतापूर्वक किया गया। इस प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को अपनी संगीत प्रतिभा एवं रचनात्मकता प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम का आयोजन महाप्रबंधक सुश्री शिखा दुबे के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रतियोगिता में छह विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। वरिष्ठ वर्ग में शास्त्रीय गायन, सुगम गायन, लोकगीत, शास्त्रीय तालवाद्य, भारतीय शास्त्रीय स्वरवाद्य एवं समूहगान की स्पर्धाएं आयोजित की गईं। वहीं कनिष्ठ वर्ग में समूहगान प्रतियोगिता आयोजित



हुई। प्रतियोगिता के परिणाम निर्णायक मंडल के सदस्य सुश्री श्रद्धा कश्यप, सरजीत चक्रवर्ती एवं लखेश्वर साहू द्वारा घोषित किए गए। वरिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिताओं में शास्त्रीय गायन में बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 की विदुषी तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सुगम गायन में इसी विद्यालय के देवांश सिंह ने प्रथम स्थान हासिल किया। लोकगीत प्रतियोगिता में भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 की संतोषी साहू विजेता रहीं। शास्त्रीय तालवाद्य में बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 की संजीवनी वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि भारतीय शास्त्रीय स्वरवाद्य में भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 के हर्ष सहारे ने प्रथम स्थान हासिल किया।

वरिष्ठ वर्ग की समूहगान प्रतियोगिता में बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। भिलाई विद्यालय, सेक्टर-2 द्वितीय तथा बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-7 तृतीय स्थान पर रहा। कनिष्ठ वर्ग की समूहगान प्रतियोगिता में बीएसपी ई.एम.एम.एस., सेक्टर-6 ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बीएसपी ई.एम.एम.एस., सेक्टर-9 द्वितीय तथा जीआईटीएफ बीआईवीवी, सेक्टर-11 खुर्सीपार तृतीय स्थान पर रहा। पांचों एकल स्पर्धाओं में द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को भी प्रतियोगिता के परिणामों के अनुसार सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्या सुश्री सुमिता सरकार के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का समन्वय सुधीर प्रसाद सिंह ने आर.पी. जेना के सहयोग से किया। सहभागी विद्यालयों की टीमों के पंजीयन एवं परिणामों के मूल्यांकन कार्य में सुश्री सीमा फिलिप एवं सुश्री प्रीति सिंह ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम का संचालन सुश्री सपना अवस्थी ने किया।

सड़क निर्माण में तेजी लाएं, गुणवत्ता और समय-सीमा का रखें विशेष ध्यान- गजेन्द्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। केबिनेट मंत्री एवं दुर्ग विधायक गजेन्द्र यादव ने आज दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में प्रगतिरत सड़क निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण कर निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता एवं कार्यों की वर्तमान स्थिति का जायजा लिये। मंत्री गजेन्द्र यादव ने जेल तिराहा से मिनीमाता चौक तथा महाराजा चौक से बोरसी चौक तक निर्माणाधीन फ्लेरलेन सड़क के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किये।

इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से कार्य की वर्तमान स्थिति, अब तक पूर्ण किए गए कार्यों तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने तथा तकनीकी



मापदंडों का पूरी गंभीरता से पालन करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री यादव ने बोरसी तालाब के समीप सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के लिए किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किये। उन्होंने सड़क की प्रस्तावित चौड़ाई, निर्माण की प्रगति एवं संबंधित तकनीकी पहलुओं की जानकारी लेते हुए कार्य को निर्धारित योजना के अनुरूप पूर्ण करने कहा। वहीं जेल तिराहा से महाराजा चौक तक सड़क किनारे नाली निर्माण एवं पाइपलाइन शिफ्टिंग के कार्यों का भी निरीक्षण किये। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के साथ-साथ नाली निर्माण, पाइपलाइन शिफ्टिंग एवं अन्य आवश्यक कार्यों को आपसी समन्वय के साथ पूरा किया जाए, ताकि भविष्य में सड़क को दोबारा खोदने की स्थिति निर्मित न हो और नागरिकों को लंबे समय तक बेहतर सुविधा मिल सके।

इस दौरान मौके पर उपस्थित लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए मंत्री यादव ने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी कार्यों की नियमित समीक्षा एवं सतत मॉनिटरिंग की जाए। कार्य की गति बढ़ाने के लिए आवश्यक संसाधन एवं तकनीकी व्यवस्था सुनिश्चित करें। निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न हो और प्रत्येक चरण में निर्धारित तकनीकी मापदंडों का पालन किया जाए।

उन्होंने विशेष रूप से निर्देशित किया कि दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान में जितने भी विकास एवं निर्माण कार्य संचालित हैं, उन सभी की नियमित रूप से स्थल पर जाकर मॉनिटरिंग की जाए। संबंधित अधिकारी कार्यों की प्रगति पर लगातार नजर रखें तथा जहां भी किसी प्रकार की तकनीकी, प्रशासनिक अथवा अन्य बाधा आ रही है, उसका तत्काल निराकरण कर निर्माण कार्यों को गति प्रदान करें।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माणाधीन हिस्सों में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं तथा वैकल्पिक मार्गों को सुचारु एवं व्यवस्थित रखा जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर



धान की कमाई से खरीदा ट्रैक्टर, बेटे को सौंपी खेत की कमान

धमतरी। जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत धान खरीदी प्रारंभ होने के साथ ही उपार्जन केंद्रों में किसानों की आमद शुरू हो गई है। इसी कड़ी में ग्राम बोरिदखुर्द के किसान रामरतन साहू अपनी पहली खेप में 47 क्विंटल धान लेकर सोरम उपार्जन केंद्र पहुंचे। रामरतन ने बताया कि उन्होंने अपने लगभग ढाई एकड़ खेत में धान की फसल ली है। इस साल अच्छी मेहनत से धान की फसल तैयार की है। खरीदी के पहले ही दिन 47 क्विंटल धान लेकर आया हूं। रामरतन ने बताया कि पिछले वर्ष धान विक्रय से प्राप्त राशि से उन्होंने ट्रैक्टर खरीदा है। अब उनका बेटा ट्रैक्टर चलाकर कृषि कार्यों में सहयोग करता है। पिछले साल धान बेचकर जो पैसा मिला था, उससे ट्रैक्टर खरीदा। पहले खेती के कई कामों के लिए दूसरे साधनों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब अपने ट्रैक्टर से काफी सुविधा हो गई है। धान की कमाई का खेती में ही निवेश करने से हमें आगे बढ़ने का अवसर मिला है। रामरतन ने बताया कि उनके परिवार को महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन कार्ड से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। परिवार की महिलाओं को महतारी वंदन योजना की राशि प्राप्त होती है। उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन और प्रतिमाह 35 किलो चावल मिलने से घरेलू खर्च में राहत मिली है। उन्होंने कहा, सरकार की योजनाओं से परिवार को काफी सहारा मिलता है। महिलाओं को महतारी वंदन योजना की राशि मिलती है, गैस कनेक्शन से रसोई में सुविधा हुई है और राशन कार्ड से हर महीने 35 किलो चावल मिलता है।

प्रदेश के अन्नदाताओं के सम्मान और सुविधा के लिए प्रतिबद्ध है सरकार : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री और बलरामपुर जिले की प्रभारी मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बलरामपुर धान उपार्जन केंद्र पहुंचकर खरीदी व्यवस्था और किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने परंपरा के अनुरूप तौल मशीन की पूजा-अर्चना की और धान बेचने पहुंचे किसानों का तिलक लगाकर तथा माला पहनाकर सम्मान किया। मंत्री ने किसानों को शुभकामनाएं दीं और उनके साथ बैठकर तौल, टोकन, भुगतान सहित केंद्र की व्यवस्थाओं पर चर्चा की।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि धान का हर दाना किसान के महीनों के परिश्रम, धैर्य और उम्मीदों का परिणाम है। किसान जब अपनी उपज लेकर उपार्जन केंद्र पहुंचता है, तो उसके साथ परिवार के सपने और जरूरतें भी जुड़ी होती हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि किसान को केंद्र में परेशानी न हो, उसकी उपज की सही



तौल हो और मेहनत का पूरा मूल्य समय पर मिले। किसानों का मान ही छत्तीसगढ़ की शान है।

श्रीमती राजवाड़े ने केंद्र में तौल व्यवस्था, नमी जांच, बारदाना, स्टैकिंग, पेयजल और छाया सहित उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और समिति कर्मचारियों को निर्देश दिए कि किसानों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए, तौल पारदर्शी तरीके से हो और किसी किसान को अनावश्यक इंतजार न करना पड़े।

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदा जा रहा है। उपार्जन केंद्रों में प्रति बोरे में 40 किलोग्राम धान की भर्ती की जा रही है। नए जूट बारदाने का वजन 545 से 626 ग्राम तक मान्य है तथा धान में अधिकतम 17 प्रतिशत नमी स्वीकार्य है। पहले दिन 37 केंद्रों में 6,584 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया, जो पिछले वर्ष के पहले दिन के मुकाबले 20 गुना अधिक है।

भाठागांव में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र ने किया छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण

आयुर्वेदिक अस्पताल एवं आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव सोमवार को बालोद जिले के विकासखंड गुण्डरदेही अंतर्गत ग्राम भाठागांव (आर) में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण तथा आयुर्वेदिक अस्पताल एवं आंगनबाड़ी केंद्र का लोकार्पण किया। साथ ही देवारी मिलन समारोह में शामिल होकर ग्रामवासियों से आत्मीय मुलाकात की और उन्हें सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की शुभकामनाएं दीं।



इस अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी हमारी समृद्ध संस्कृति, परंपरा, अस्मिता और गौरवशाली विरासत की प्रतीक हैं। उनकी प्रतिमा का अनावरण हमारी सांस्कृतिक पहचान और मातृभूमि के प्रति सम्मान को अभिव्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, तीज-त्योहार और परंपराएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें संरक्षित रखना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

ग्राम भाठागांव में आयुर्वेदिक अस्पताल और आंगनबाड़ी केंद्र के लोकार्पण से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही माताओं एवं बच्चों के पोषण, देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी सुविधाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि गांवों का सर्वांगीण विकास ही समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत आधारशिला है।

देवारी मिलन समारोह में शिक्षा मंत्री श्री यादव ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने कहा कि देवारी पर्व हमारी सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज में भाईचारे और सामुदायिक सहभागिता की भावना को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर मंत्री श्री यादव ने ग्रामीणों को देवारी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुखी, समृद्ध और खुशहाल जीवन की कामना की। देवारी मिलन के इस पावन अवसर पर सभी ग्रामवासियों के स्नेह, अपनत्व और उत्साह ने मन अभिभूत कर दिया।

इस अवसर पर विधायक कुंवर सिंह निषाद, गुण्डरदेही जपं. सभापति कौशल किशोर साहू, अन्य जनप्रतिनिधि एवं सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

छठ पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सूर्यदेव को दिया शाम का अर्घ्य

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री और बलरामपुर जिले की प्रभारी मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े छठ महापर्व के अवसर पर बलरामपुर के सेंदुर नदी बैगा पारा स्थित छठ घाट पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने व्रतधारी महिलाओं और श्रद्धालुओं के साथ अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को संध्या अर्घ्य अर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने छठी मैया से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और कल्याण की कामना की। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने सभी को छठ महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ पर्व आस्था, तप, संयम और पवित्रता का प्रतीक है। यह प्रकृति, जल और सूर्यदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। साथ ही, परिवार और समाज को जोड़कर सामूहिकता तथा सद्भाव का संदेश देता है।

सेंदुर नदी तट पर पारंपरिक छठ गीतों और श्रद्धा-भक्ति के वातावरण में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, व्रतधारी महिलाएं, श्रद्धालु और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।



अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में देश-विदेश के पर्यटकों को लुभा रही छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति

श्रीकंचनपथ समाचार

नई दिल्ली/रायपुर। भारत मंडपम, प्रगति मैदान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2026 में छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय परंपराओं और पर्यटन की अपार संभावनाओं की आकर्षक झलक देखने को मिल रही है। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों, ग्रामीण पर्यटन, साहसिक पर्यटन और पर्यटन सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। बड़ी संख्या में पर्यटक, आगंतुक और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े प्रतिनिधि पहुंचकर प्रदेश के पर्यटन स्थलों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा आगंतुकों को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों, पर्यटन मंडल द्वारा संचालित रिसॉर्ट, आवासीय सुविधाओं और विभिन्न पर्यटन गतिविधियों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इस का उद्देश्य छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है।

ग्रामीण पर्यटन और होमस्टे

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा ग्रामीण पर्यटन को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। पर्यटकों को गांवों की प्राकृतिक सुंदरता, पारंपरिक जीवनशैली, स्थानीय खानपान, लोककला, हस्तशिल्प और जनजातीय संस्कृति से परिचित कराया जा रहा है।

ग्रामीण पर्यटन एवं होमस्टे नीति स्थानीय समुदायों को पर्यटन आधारित आजीविका से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। साथ



ही पर्यटकों को ग्रामीण परिवेश में रहकर छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली को करीब से जानने का अवसर मिलेगा।

रिसॉर्ट में 30 प्रतिशत की छूट

व्यापार मेले में पर्यटकों को छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा विशेष आकर्षक प्रस्ताव भी दिया जा रहा है। मेले के दौरान पर्यटन मंडल के रिसॉर्ट में बुकिंग कराने वाले पर्यटकों एवं आगंतुकों को 30 प्रतिशत की विशेष छूट दी जा रही है। यह विशेष प्रस्ताव 14 नवंबर से 27 नवंबर 2026 तक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले की अवधि में उपलब्ध रहेगा।

पर्यटन मंडल द्वारा प्रदान की जा रही इस विशेष छूट से पर्यटकों को छत्तीसगढ़ भ्रमण की योजना बनाने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार और पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा देने में भी सहायता मिलेगी।

प्रदेश में प्रकृति, संस्कृति, धार्मिक आस्था, ऐतिहासिक विरासत और रोमांचक पर्यटन गतिविधियों का अद्भुत संगम है। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा इन्हीं विशेषताओं को देश-विदेश के पर्यटकों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। मेले में पहुंच रहे पर्यटक और टूर ऑपरेटर प्रदेश के पर्यटन स्थलों, वहां तक पहुंचने के साधनों, आवासीय सुविधाओं और भ्रमण की संभावनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की सहभागिता प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र के प्रचार-प्रसार और विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से न केवल छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों को व्यापक पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है, बल्कि ग्रामीण पर्यटन, होमस्टे और स्थानीय पर्यटन व्यवसाय को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

पर्यटन मंडल की यह पहल छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने के साथ स्थानीय समुदायों को पर्यटन विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में सहायक होगी। साथ ही छत्तीसगढ़ को आकर्षक पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में नए अवसर प्रदान करेगी।

भारत मंडपम में छत्तीसगढ़ राज्य दिवस का आयोजन 20 नवंबर को

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के अंतर्गत 20 नवंबर 2026 को भारत मंडपम में छत्तीसगढ़ राज्य दिवस का आयोजन किया जाएगा। यह अवसर राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककला, जनजातीय परंपराओं और पर्यटन की विविध संभावनाओं को सामने लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। छत्तीसगढ़ राज्य दिवस के आयोजन से मेले में आने वाले देश-विदेश के आगंतुकों को प्रदेश की विशिष्ट पहचान, प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विविधता से परिचित होने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ पर्यटन के प्रचार-प्रसार को भी विशेष प्रोत्साहन मिलेगा।

दुर्लभ पांडुलिपियां और ताम्रपत्र बने आकर्षण का केंद्र

45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की सदियों पुरानी दुर्लभ पांडुलिपियां और प्राचीन ताम्रपत्र आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। छत्तीसगढ़ पवेलियन में प्रदर्शित 16वीं शताब्दी की स्वर्ण अक्षरों में लिखित श्रीमद्भगवद्गीता की दुर्लभ पांडुलिपि विशेष आकर्षण का केंद्र है। गोंडवाना की शासिका रानी दुर्गावती के समकालीन कालखंड से संबंधित यह पांडुलिपि प्रदेश की समृद्ध साहित्यिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत की महत्वपूर्ण झलक प्रस्तुत करती है। इसके साथ ही वर्ष 1735 का कल्चुरीकालीन ताम्रपत्र भी प्रदर्शनी में रखा गया है।

इस विशेष प्रदर्शनी में विभिन्न कालखंडों की दुर्लभ पांडुलिपियां और ताम्रपत्र प्रदर्शित किए गए हैं। इनमें रामायण के बालकांड और किष्किंधा कांड से संबंधित पांडुलिपियों के साथ राधा विनोद महाकाव्य, ज्योतिष शास्त्र, आयुर्वेद तथा अन्य साहित्यिक और धार्मिक विषयों से जुड़े हस्तलिखित ग्रंथ शामिल हैं। यहां वर्ष



1735 का कल्चुरीकालीन ताम्रपत्र भी प्रदर्शित किया गया है।

भारत मंडपम के हॉल नंबर 4 के प्रथम तल पर 1000 वर्गमीटर क्षेत्र में स्थापित छत्तीसगढ़ पवेलियन में इन ऐतिहासिक धरोहरों के साथ प्रदेश की पारंपरिक कला, शिल्प, स्थानीय उत्पादों और विकास की संभावनाओं को भी प्रस्तुत किया जा रहा है। भारत व्यापार संवर्धन संगठन द्वारा आयोजित 45वां भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 13 से 27 नवंबर 2026 तक चलेगा। इस आयोजन के माध्यम से छत्तीसगढ़ अपनी प्राचीन विरासत और आधुनिक विकास की तस्वीर को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत कर रहा है।

मेले के जूरी सदस्यों ने भी छत्तीसगढ़ पवेलियन का भ्रमण किया। इस अवसर पर प्रदेश के लोक कलाकारों ने पारंपरिक गेंड़ी नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति देकर जूरी सदस्यों का स्वागत किया।

किसानों के द्वार तक पहुँची धान खरीदी की सुविधा, धमतरी में 8 नए उपार्जन केन्द्र



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार किसानों की सुविधाओं के विस्तार और उनकी मेहनत की उपज का सुगमतापूर्वक विक्रय सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में धमतरी जिले के किसानों को बड़ी सौगात मिली है। जिले में आठ नए धान उपार्जन केंद्रों की शुरुआत होने से अब किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होने के साथ ही नए उपार्जन केंद्रों में किसानों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखने को मिला।

धमतरी जिले में भुसरेंगा, अटंग, सिलघट, सिलौटी, सिंधोरीखुर्द, बुड़ेनी, राजपुर और टांगापानी में आठ नए उपार्जन केंद्र प्रारंभ किए गए हैं। इससे धान खरीदी केंद्रों की संख्या 100 से बढ़कर 108 हो गई है। इस निर्णय से विशेष रूप से दूरस्थ ग्रामीण अंचलों के छोटे एवं सीमांत किसानों को लाभ मिलेगा। अब किसानों को धान परिवहन में होने वाले अतिरिक्त खर्च, समय और अनावश्यक मेहनत से राहत मिलेगी।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष श्री निरंजन सिन्हा ने नवीन धान उपार्जन केंद्र अटंग का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा किसानों को केक खिलाकर उनकी खुशी में सहभागिता की। अटंग में उपार्जन केंद्र प्रारंभ होने से आसपास के किसानों की वर्षों पुरानी व्यावहारिक परेशानी दूर हुई है। पहले ग्राम भालुकोंना के किसानों को लगभग 9 किलोमीटर और अटंग के किसानों को लगभग 8 किलोमीटर दूर भाठागांव उपार्जन केंद्र तक धान ले जाना पड़ता था।

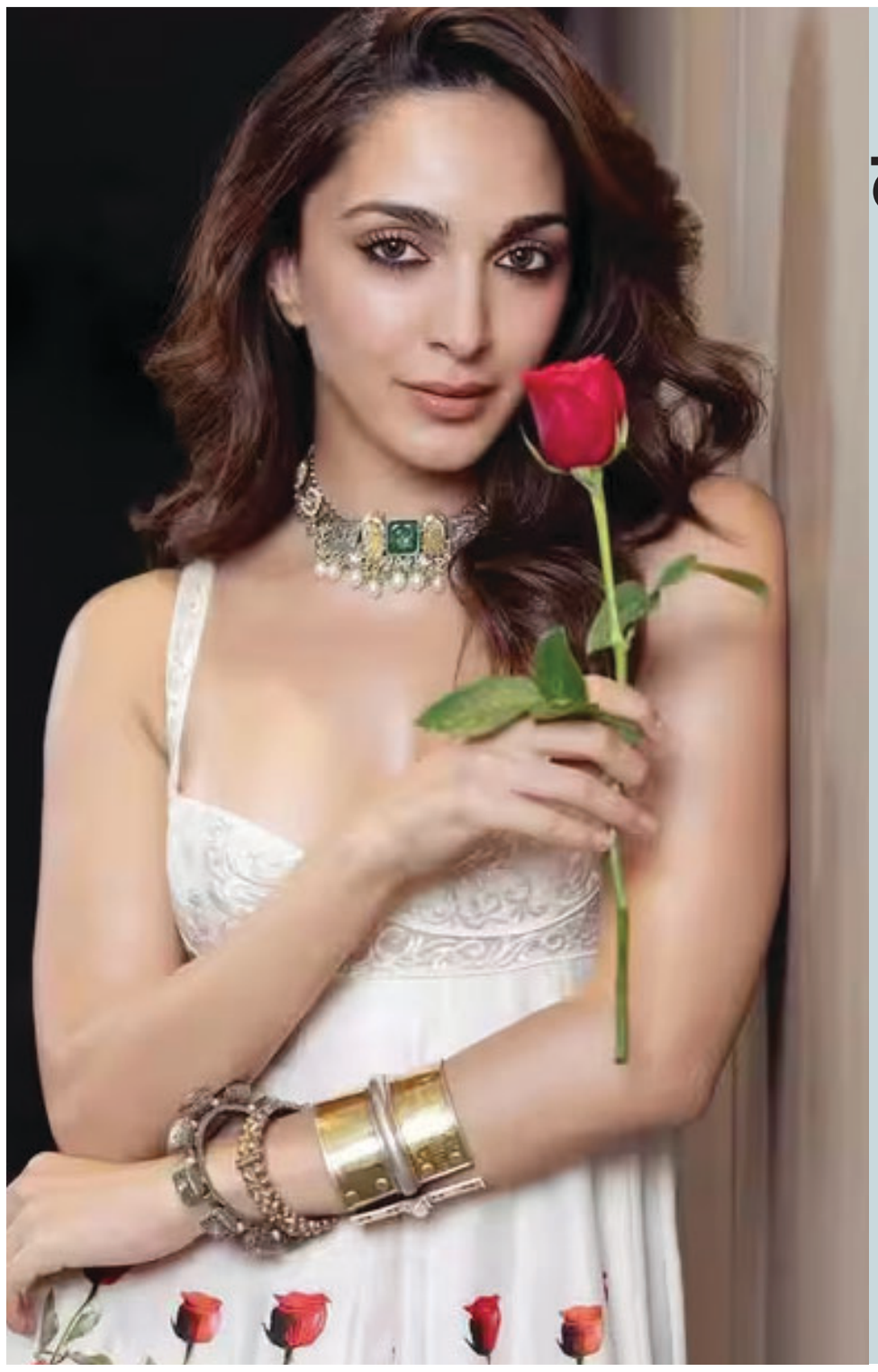
पहले टांगापानी और आसपास के 8 से 9 गांवों के किसानों को सेमरा (सिहावा) उपार्जन केंद्र जाना पड़ता था। नए केंद्र से 850 किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की उम्मीद है। साथ ही पहले लगभग 1,400 किसानों का भार वहन करने वाले सेमरा केंद्र में भी भीड़ कम होने से खरीदी व्यवस्था अधिक सुगम होगी।

'मिशन वात्सल्य' एवं 'मिशन शक्ति' से कम हो रहे बाल अपराध

बालोद। मिशन वात्सल्य के अंतर्गत जिले के अधिकाश स्कूल, कॉलेज, आईटीआई में चाइल्ड हेल्प लाईन, किशोर न्याय अधिनियम, पॉक्सो एक्ट, गुड टच बैड टच तथा मिशन शक्ति के अंतर्गत सतत जन जागरूकता के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रहे हैं। इससे बाल अपराधों में कमी आई है। वही संकटग्रस्त बालक के सर्वोत्तम हित में कार्य कर रहे है जिसके चलते बाल अपराधों में कमी देखरेख व संरक्षण वाले बच्चों के लिए विशेष कार्यों को गति दी जा रही है। इसके साथ ही जिस विकासखंड में कोई अपराध घटित हो रहे है उस विकासखंड में जन-जागरूकता के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रही है जिससे आपराधिक गतिविधियों में कमी आ सके।







प्रेगनेंसी के शुरुआती 3 महीने थे बहुत कठिन, महिलाओं का साथ जरूरी: कियारा

अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपने गर्भावस्था के अनुभव के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि शुरुआती कुछ मुश्किल महीनों में उन्हें अपने जीवन की अन्य महिलाओं से किस तरह का सपोर्ट और समझ मिली। कियार एक बच्चे की मां हैं। उन्होंने फिल्म निर्माता करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में अपनी गर्भावस्था के सफर के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि शुरुआती महीने काफी चुनौतीपूर्ण थे, क्योंकि उन्हें जी मिचलाने और हार्मोनल बदलावों का सामना करना पड़ा था। शो के दौरान कियारा ने कहा था, शुरुआती तीन महीने बहुत कठिन थे। आपको जी मिचलाने की समस्या और कई तरह के हार्मोनल बदलावों से गुजरना पड़ता है।

यह याद करते हुए कि कैसे उन्होंने और उनके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा ने शुरुआत में किसी को भी गर्भावस्था के बारे में न बताने का फैसला किया था, कियारा ने बताया कि जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें अपने आस-पास की महिलाओं के सहारे की जरूरत है।

उन्होंने बताया, उस समय हमने सोचा था कि हम किसी को नहीं बताएंगे। लेकिन फिर मैंने कहा, नहीं सिड, मुझे अपनी मां से बात करनी है, मुझे अपनी सास की जरूरत है। मुझे महिलाओं की जरूरत है। मुझे अपने जीवन में ऐसी महिलाओं की जरूरत है जो मुझे समझ सकें। अभिनेत्री ने कहा कि महिलाओं के बीच साझा किए गए ऐसे अनुभवों ने उन्हें इस नाजुक दौर में काफी सुकून दिया।

उन्होंने कहा, मुझे याद है कि कभी-कभी मैं अपनी सहेलियों के साथ बैठकर रोती थी और वे बस मुझे वैसे ही रहने देती थीं (बिना कुछ कहे मुझे सहारा देती थीं)। और फिर, जिंदगी खूबसूरत हो जाती है।

कियारा 7 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपनी दूसरी गर्भावस्था की घोषणा भी कर चुकी हैं। अपनी बेटी साराया के छोटे से हाथ की एक तस्वीर साझा करते हुए, जिसमें उसने बच्चों के मोजे पकड़े हुए हैं, उन्होंने लिखा, हमें एक बार फिर सबसे बड़ा उपहार मिला है। हमारा दिल प्यार और कृतज्ञता से भरा हुआ है।

दुनिया कुछ भी कहे, अपने सपनों पर विश्वास रखें

आई प्ले रॉकी' के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने दिया प्रेरणादायक संदेश

मुंबई फिल्म आई प्ले रॉकी के प्रीमियर पर कार्तिक आर्यन ने सपनों, दृढ़ संकल्प और खुद पर विश्वास रखने के महत्व को लेकर एक दिल छू लेने वाला संदेश दिया। फिल्म को सपने देखने वालों और अपने सपनों पर विश्वास करने वालों की कहानी बताते हुए अभिनेता ने कहा कि यह उन सभी लोगों से जुड़ाव महसूस कराएगी, जिन्हें कभी न कभी यह कहा गया है कि उनकी महत्वाकांक्षाएं पूरी नहीं हो सकतीं। अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा, यह फिल्म उन सभी लोगों के बारे में है, जो सपने देखते हैं और अपने सपनों पर विश्वास करते हैं। ऐसे लोग, जिनसे अक्सर कहा जाता है कि 'नहीं हो सकता, यह तू कभी नहीं बन सकता, यह कभी नहीं बन सकती।' मेरा मानना है कि यह फिल्म आपको विश्वास दिलाएगी कि आप यह कर सकते हैं और अपने सपनों को हासिल कर सकते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए। अपने सफर से फिल्म की तुलना करते हुए कार्तिक ने बताया कि किस तरह ओरिजिनल फिल्म रॉकी कई पीढ़ियों को प्रेरित करती आई है। उन्होंने यह भी साझा किया कि फिल्म का मशहूर गाना आई ऑफ द टाइगर मुश्किल वक्त में उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रेरित करता है।

उन्होंने कहा, मेरे सफर में कई बार ऐसा हुआ है कि जब भी मैं खुद को निराश महसूस करता हूं, तो 'आई ऑफ द टाइगर' एक ऐसा गाना है, जो मेरे लिए थीम सॉन्ग की तरह है और मुझे बहुत प्रेरित करता है। इसके बाद मैं बाकी चीजों से ध्यान हटाकर दोबारा अपने सपनों की दिशा में काम करना शुरू कर देता हूं।

कार्तिक की ये बातें उस समय और भी खास हो गईं, जब उन्होंने ऐसे संदेश पर बात की, जो फिल्म इंडस्ट्री में उनके अपने सफर से काफी हद तक जुड़ा हुआ है। चुनौतियों का सामना करने से लेकर अपनी अलग पहचान बनाने तक, कार्तिक की कहानी फिल्म के बड़े संदेश यानी दृढ़ता और आत्मविश्वास को दर्शाती है। प्रीमियर पर उनकी स्पीच ने इस बात को रेखांकित किया कि आलोचनाओं, असफलताओं और दूसरों की सोच की परवाह किए बिना अपने सपनों पर ध्यान केंद्रित रखना कितना जरूरी है। फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए कार्तिक ने सिनेमा और आई प्ले रॉकी के नाम एक जाम उठाया। साथ ही उन्होंने दर्शकों से फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट सीन मिस न करने की अपील की।



'रामायण' में लक्ष्मण बनकर छाए रवि दुबे

दर्शकों के प्यार ने किया भावुक, बोले- मुझे इससे कहीं ज्यादा मिला

बॉलीवुड फिल्म 'रामायण' रिलीज होने के बाद से ही लगातार चर्चा में है। फिल्म में भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले अभिनेता रवि दुबे इन दिनों दर्शकों से मिल रहे प्यार और सराहना से बेहद...

बॉलीवुड फिल्म 'रामायण' रिलीज होने के बाद से ही लगातार चर्चा में है। फिल्म में भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले अभिनेता रवि दुबे इन दिनों दर्शकों से मिल रहे प्यार और सराहना से बेहद भावुक हैं। फिल्म की रिलीज के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबा और दिल छू लेने वाला पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने न सिर्फ दर्शकों का आभार जताया, बल्कि अपने किरदार को निभाने के पीछे की सोच और भावनाओं को भी बयां किया।



रिलीज के दिन महसूस हुआ कुछ खास

रवि दुबे ने बताया कि 5 नवंबर 2026 की सुबह उनके लिए बेहद खास रही। लंबे समय बाद उन्हें ऐसा महसूस हुआ कि दर्शक उन्हें और उनके काम को दिल से देख और समझ रहे हैं। अभिनेता के मुताबिक, एक कलाकार के लिए इससे बड़ा तोहफा कुछ नहीं हो सकता कि उसकी मेहनत किसी दूसरे इंसान के दिल तक पहुंचे और वह अपनी भावनाएं जाहिर करे। उन्होंने लिखा कि दर्शकों का प्यार देखकर वह अब भी हैरान हैं। उनके मन में इस समय खुशी से कहीं ज्यादा कृतज्ञता का भाव है। प्रशंसकों की प्रतिक्रियाओं ने उनके इस सफर को यादगार बना दिया है।

रवि दुबे ने अपने पोस्ट में लक्ष्मण के व्यक्तित्व को लेकर भी खास बात कही। उन्होंने बताया कि लक्ष्मण का जीवन अपनी महत्वाकांक्षाओं के बजाय भगवान राम और माता सीता की सेवा, सुरक्षा और कर्तव्य के प्रति समर्पित था। उन्हें हमेशा राम और सीता के पीछे एक कदम खड़े रहने में ही संतोष मिलता था। अभिनेता ने कहा कि वह इसी भावना को अपने अभिनय में उतारना चाहते थे। मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से इस भूमिका के लिए खुद को समर्पित किया। उनका उद्देश्य सिर्फ लक्ष्मण का किरदार निभाना नहीं, बल्कि उनके त्याग, निष्ठा और कर्तव्यबोध को महसूस करना भी था।

नितेश तिवारी और नमित मल्होत्रा का जताया आभार

रवि ने फिल्म के निर्देशक नितेश तिवारी और निर्माता नमित मल्होत्रा की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने दोनों को बेहतरीन इंसान बताते हुए कहा कि उन्होंने उन्हें दुनिया के शानदार कलाकारों के साथ काम करने का अवसर दिया। रवि के मुताबिक, इतने बड़े प्रोजेक्ट पर काम करते हुए उनके मन में कई सवाल थे। उन्हें डर था कि कहीं वह लक्ष्मण के चरित्र के साथ न्याय करने में चूक न जाएं या अपने अभिनय में जरूरत से ज्यादा कुछ न कर बैठें। पूरी टीम से मिले सम्मान और सहयोग ने उनका आत्मविश्वास बढ़ाया।

अपेक्षा पोरवाल ने जेलर-2 में रजनीकांत के साथ अपने अनुभव को बताया सपने के सच होने जैसा



अभिनेत्री अपेक्षा पोरवाल इन दिनों रजनीकांत स्टारर फिल्म जेलर 2 में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में फिल्म में सुपरस्टार के साथ काम करने के अनुभव, एक्शन से भरपूर रोल की तैयारी के बारे में बात की। अभिनेता ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने के अनुभव को स्पेशल पल बताया। उन्होंने कहा, रजनीकांत भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना और काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सच में किसी सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने आगे कहा, जेलर 2 में काम करना कमाल का अनुभव था। आप किसी भी कलाकार का नाम लें, वे सभी जमीनी स्तर से जुड़े हैं। फिर, चाहे वो मिथुन सर हों, रजनीकांत सर, विद्या मैम या राम्या कृष्णन मैम, सभी बहुत ही उम्दा कलाकार हैं और वे हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कि उनका सह-कलाकार कंफर्टेबल फील करे। मुझे लगता है कि जो लोग जितने ज्यादा बड़े और स्थापित होते हैं, वो असल जिंदगी में उतने ही सरल और दयालु होते हैं। उनके साथ काम करना सच में बहुत अच्छा लगता है।

फिल्म में अभिनेत्री का छोटा, लेकिन एक्शन से भरपूर किरदार है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अपेक्षा पोरवाल ने कहा, फिल्म में मेरा किरदार एक तरह से घातक महिला का है, जो मिथुन सर के किरदार वाले विलेन के परिवार को फंसाती है और रजनीकांत सर के परिवार को बचाती है, तो वह एक असैसिन है। मुझे मार्शल आर्ट्स की थोड़ी बेसिक ट्रेनिंग भी है, जिसमें कटाना (जापान की एक पारंपरिक, हल्की घुमावदार और एक धार वाली लंबी तलवार) और नंचक्स शामिल हैं। इस फिल्म में मैं कटाना और गन का इस्तेमाल करती हूं।

अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म में परफॉर्मेंस से पहले उन्होंने तीन दिन तक इंटेंस एक्शन ट्रेनिंग की थी। उन्होंने कहा, हमने पूरी एक्शन कोरियोग्राफी सीखी। इसके अलावा, मैंने अपनी जनरल फिटनेस पर भी ध्यान दिया। मैं आमतौर पर हफ्ते में कम से कम पांच दिन जिम जाती हूं। चेन्नई शेड्यूल के दौरान मेरा रूटीन काफी बिजी था। मैं शूट के बाद जिम जाती थी, फिर कार्डियो के लिए स्विमिंग और फिर स्टीम सेशन।

रोज पांच मिनट करें चक्की चालनासन पाचन मजबूत और कमर भी होगी लचीली



आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को स्वस्थ और फिट रखना बहुत बड़ी चुनौती है। ऐसे में योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मन को शांत रखने में भी मदद करता है। चक्की चालानासन एक ऐसा योगाभ्यास है, जिसमें शरीर को चक्की चलाने जैसी गति में घुमाया जाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, चक्की चालनासन पारंपरिक रूप से हाथ से अनाज पीसने की चक्की चलाने की गति पर आधारित एक बैठकर किया जाने वाला योगासन है। यह आसन मुख्य रूप से पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने, पाचन सुधारने और शरीर में लचीलापन बढ़ाने के लिए किया जाता है। चक्की चालनासन को शुरुआती अभ्यासकर्ता आसानी से कर सकते हैं, बस इसे करते समय सांसों की गति और शरीर के संतुलन का ध्यान रखना जरूरी होता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर में लचीलापन बढ़ाने और पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में भी मदद मिल सकती है।

चक्की चालनासन महिलाओं के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि इसे करते समय पेट के निचले हिस्से और पेल्विक एरिया की मांसपेशियों पर सीधा असर पड़ता है। जब अभ्यासकर्ता इस आसन में शरीर को गोल-गोल घुमाते हैं, तो पेट और कमर की मांसपेशियां बारी-बारी से खिंचती और सिकुड़ती हैं। इससे यूटेरस और ओवरी के आसपास ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। अच्छा ब्लड फ्लो मिलने से ये अंग सक्रिय रहते हैं और इनकी कार्यक्षमता भी बेहतर होती है।

इस आसन से पेल्विक मांसपेशियां लचीली होती हैं, जिससे पीरियड्स के दौरान होने वाली ऐंठन और भारीपन कम महसूस होता है। इसके नियमित अभ्यास से हार्मोनल संतुलन को बनाए रखने में मदद मिलती है, जिससे पीरियड्स का चक्र धीरे-धीरे नियमित होने लगता है।

वहीं, पीरियड्स के समय पाचन बिगड़ना आम बात है। यह आसन आंतों की मालिश जैसा काम करता है, जिससे कब्ज, गैस और पेट फूलने की समस्या कम होती है। गर्भवती महिलाओं और हाल ही में पेट या हर्निया की सर्जरी कराने वाले लोगों को बिना विशेषज्ञ की सलाह के इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए।

बिजी लाइफस्टाइल के चलते नहीं मिल रहा वक्त?

अपनाएं पांच मिनट का रूटीन और पाएं ग्लोइंग स्किन

खूबसूरत और चमकदार त्वचा हर किसी की चाहत होती है, लेकिन आज की व्यस्त जीवनशैली में कई बार लोग अपनी त्वचा की सही तरीके से देखभाल नहीं कर पाते हैं। अगर आप भी समय की कमी के चलते नियमित रूप से स्किन केयर रूटीन फॉलो नहीं कर पाते हैं, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान स्टेप्स की मदद से आप कम समय में भी अपनी त्वचा का ख्याल रख सकते हैं। आज हम आपको एक आसान और क्विक स्किन केयर रूटीन के बारे में बताएंगे, जिसे रोजाना अपनाकर त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में मदद मिल सकती है।



घर और ऑफिस की व्यस्त दिनचर्या के चलते कई बार महिलाएं अपनी त्वचा की देखभाल के लिए पर्याप्त समय नहीं निकाल पाती हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ आसान और असरदार स्किन केयर टिप्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप रोजाना सिर्फ 5 मिनट निकालकर अपनी बिजी लाइफस्टाइल में भी आसानी से शामिल कर सकती हैं।

1. क्लींजिंग

त्वचा को साफ और चमकदार बनाए रखने के लिए क्लींजिंग सबसे जरूरी स्टेप्स में से एक है। दिनभर चेहरे पर धूल-मिट्टी, पसीना और गंदगी जमा हो जाती है, जिससे त्वचा की चमक फीकी पड़ने लगती है। ऐसे में सुबह और रात को सोने से पहले किसी अच्छे क्लींजर से चेहरा साफ करना चाहिए। हालांकि, क्लींजर का चुनाव अपनी स्किन टाइप के अनुसार करें। ऐसा क्लींजर इस्तेमाल करें, जो त्वचा के प्राकृतिक तेल को नुकसान पहुंचाए बिना चेहरे की गंदगी को साफ करने में मदद करे।

2. टोनिंग

क्लींजिंग के बाद त्वचा की देखभाल के लिए टोनिंग को रूटीन में शामिल किया जा सकता है। टोनर त्वचा को फ्रेश और हाइड्रेटेड महसूस कराने में मदद करता है। इसके लिए आप वॉटर-बेस्ड टोनर का इस्तेमाल कर सकते हैं, जो त्वचा को नमी देने के साथ उसे तरोताजा रखने में सहायक होता है। हालांकि, टोनर का चुनाव अपनी त्वचा की जरूरत और स्किन टाइप के अनुसार करना चाहिए।

3. सीरम

टोनिंग के बाद चेहरे पर सीरम लगाना स्किन केयर रूटीन का एक अहम हिस्सा हो सकता है। सीरम में मौजूद एक्टिव इंग्रेडिएंट्स त्वचा की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करने में मदद करते हैं। यह त्वचा को हाइड्रेट रखने के साथ एजिंग के शुरुआती लक्षणों को कम करने और चेहरे पर निखार लाने में सहायक हो सकता है। आप अपनी स्किन टाइप और जरूरत के अनुसार विटामिन सी या हाइलूरोनिक एसिड युक्त सीरम का चुनाव कर सकते हैं।

4. मॉइश्चराइजर

सीरम लगाने के बाद चेहरे पर मॉइश्चराइजर लगाना भी जरूरी है। यह त्वचा में नमी बनाए रखने और रूखेपन की समस्या से बचाने में मदद करता है। चाहे आपकी त्वचा ऑयली हो या ड्राई, हर स्किन टाइप के लिए मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करना जरूरी माना जाता है। नियमित रूप से मॉइश्चराइजर लगाने से त्वचा मुलायम और स्मूद बनी रहती है। हालांकि, अपनी स्किन टाइप के अनुसार सही मॉइश्चराइजर का चुनाव करना चाहिए।

5. सनस्क्रीन

दिन के समय त्वचा की देखभाल के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। घर से बाहर निकलने से पहले चेहरे और खुले हिस्सों पर कम से कम एसपीएफ 30 वाला सनस्क्रीन लगाएं। यह त्वचा को सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाने में मदद करता है। इसके नियमित इस्तेमाल से टैनिंग और सनबर्न का खतरा भी कम किया जा सकता है। इसके साथ ही त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, पूरी नींद लें और तनाव से बचने की कोशिश करें। संतुलित आहार और अच्छी जीवनशैली भी त्वचा की सेहत बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।

खास-खबर

नारायणपुर के दूरस्थ अंचलों में विकास कार्यों को मिलेगी नई गति : मंत्री टंक राम वर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जनजातीय एवं दूरस्थ अंचलों में विकास की गति तेज करने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से नारायणपुर जिले में विकास कार्यों की व्यापक समीक्षा की गई। प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास तथा उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न विभागों की योजनाओं, निर्माण कार्यों और बुनियादी सुविधाओं की प्रगति की समीक्षा की। मंत्री द्वय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वीकृत विकास कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें। मंत्री टंकराम वर्मा ने जिले के दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब उनका लाभ दूरस्थ गांवों में रहने वाले अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा। विशेष रूप से अबूझमाड़ सहित जिले के दुर्गम क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार सुविधाओं के विस्तार के लिए विभागीय अधिकारी सक्रियता से कार्य करें।

गंदगी पर दो अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राजधानी रायपुर में गंदगी पर कार्रवाई करते हुए रायपुर नगर निगम के दो अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विभाग ने शहर के कई स्थानों पर गंदगी के लिए प्रथम दृष्टया जिम्मेदार मानते हुए रायपुर नगर निगम के उपायुक्त (सफाई प्रभारी) श्री जसदेव बाबरा और जोन क्रमांक-4 की आयुक्त श्रीमती दिव्या चन्द्रवंशी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नगरीय प्रशासन विभाग ने दोनों अधिकारियों को 3 दिनों के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने निगम आयुक्त को जवाब का परीक्षण कर अभिमत सहित संचालनालय को भेजने को कहा है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने दोनों अधिकारियों को जारी नोटिस में कहा है कि प्रत्येक समीक्षा बैठक में नगर की सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया जाता रहा है, किन्तु आपके द्वारा वरिष्ठालय के निर्देशों की अवहेलना करते हुए अपनी कार्य प्रणाली में आशातीत सुधार नहीं किया गया है। परिणामस्वरूप आए दिन समाचार पत्रों में जगह-जगह गंदगी फैले होने संबंधी समाचार प्रकाशित होते हैं, जो नगर निगम एवं शासन की छवि धूमिल करने के साथ-साथ आपकी कार्य प्रणाली पर भी प्रश्नचिन्ह उपस्थित करता है। शहर में जगह-जगह फैली गंदगी के लिए प्रथम दृष्टया आप जिम्मेदार प्रतीत होते हैं।

जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास और उत्थान के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : गजेन्द्र यादव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास और उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, आजीविका संवर्धन एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शासन का उद्देश्य जनजातीय समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। मंत्री यादव सोमवार को मोहला जिला मुख्यालय के मिनी स्टेडियम में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।





स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, साहस, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष करते हुए जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा जनजातीय समाज के अधिकारों और सम्मान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनका त्याग और बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

जनजातीय गौरव दिवस समारोह में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने जनजातीय समाज के प्रमुखों एवं समाज के उत्थान और विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर जनजातीय समाज के शहीद परिवारों को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। मंत्री यादव ने शहीदों के बलिदान और उनके परिवारों के त्याग एवं समर्पण को नमन किया। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूली छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों एवं प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से जनजातीय समाज के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी ली। मंत्री श्री यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक पात्र हितग्राही तक उनका लाभ पहुंचाया जाए।

इस अवसर पर उन्होंने पात्र हितग्राहियों को विभिन्न विभागीय योजनाओं से लाभान्वित भी किया।कार्यक्रम में जनजातीय समाज की समृद्ध लोकसंस्कृति, कला और परंपराओं पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। कलाकारों ने पारंपरिक लोकनृत्य एवं लोकगीतों के माध्यम से जनजातीय संस्कृति की मनमोहक झलक प्रस्तुत की। इन प्रस्तुतियों को उपस्थित जनसमुदाय ने खूब सराहा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भोजेश शाह मंडावी, कलेक्टर तनुजा सलाम, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह, डीएफओ अभिनव कुमार, जिला पंचायत सीईओ उज्जवल पोरवाल, सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि जनजातीय समाज के प्रमुख, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

18वीं यूएसआईसी क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे पुरुष टीम ने जीता स्वर्ण पदक

श्रीकंचनपथ समाचार



बिलासपुर/रायपुर । प्राग (चेक गणराज्य) में दिनांक 13 से 16 नवम्बर 2026 तक आयोजित 18वीं USIC क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे की पुरुष टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ भारतीय रेलवे की टीम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश एवं भारतीय रेलवे का गौरव बढ़ाया है। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के दो कर्मचारियों ने भारतीय रेलवे की पुरुष टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। दोनों खिलाड़ी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में वाणिज्यिक सह टिकट क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। इनमें शामिल हैं—

1- हरीश , 2- प्रिंस राज यादव भारतीय रेलवे की पुरुष टीम ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विभिन्न देशों की रेलवे टीमों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश एवं खेल संघ के पदाधिकारियों ने भारतीय रेलवे की पूरी पुरुष टीम तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के दोनों खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार रेलवे एवं देश का नाम रोशन करने की कामना की।

छत्तीसगढ़ की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा को राष्ट्रपति भवन में मिला सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। छत्तीसगढ़ की शिल्प परंपरा और पीढ़ियों से संजोए गए हुनर को सोमवार को राष्ट्रपति भवन में विशेष पहचान मिली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रदेश के कोंडागांव और रायगढ़ से पहुंचे 50 बेलमेटल शिल्पकारों से मुलाकात की। पारंपरिक बेलमेटल शिल्पकला को जीवंत बनाए रखने वाले इन कलाकारों के लिए यह एक गौरवपूर्ण अवसर रहा।

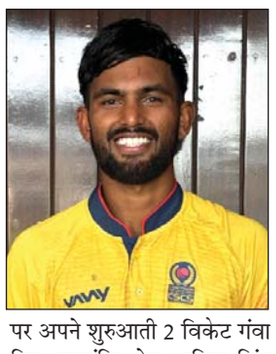
राष्ट्रपति भवन में हुई इस विशेष मुलाकात ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक कारीगरी और शिल्पकारों की पीढ़ियों की साधना को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत और सचिव श्री राजेश सिंह राणा भी उपस्थित रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत कोंडागांव एवं रायगढ़ के बेलमेटल शिल्पकारों से भेंट करने की इच्छा व्यक्त की थी।

इसी क्रम में शिल्पकारों का प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली पहुंचा और राष्ट्रपति से मुलाकात की। छत्तीसगढ़ की बेलमेटल कला, विशेष रूप से बस्तर की प्रसिद्ध ढोकरा शिल्प परंपरा, अपनी विशिष्ट निर्माण शैली और बारीक कारीगरी के लिए जानी जाती है। धातु से तैयार देवी-देवताओं, पशु-पक्षियों, लोकजीवन और पारंपरिक आकृतियों में प्रदेश की जनजातीय संस्कृति की गहरी छाप दिखाई देती है। कोंडागांव के शिल्पकार पीढ़ियों से इस कला को संरक्षित करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति भवन में देश के विभिन्न क्षेत्रों के पारंपरिक कलाकारों और शिल्पकारों को अपनी कला एवं सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करने के अवसर मिलते रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के शिल्पकारों की यह मुलाकात प्रदेश की जीवंत हस्तशिल्प परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने की महत्वपूर्ण पहल है। यह अवसर उन शिल्पकारों के लिए विशेष महत्व रखता है।

रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद ने छत्तीसगढ़ को 1 विकेट से हराया

श्रीकंचनपथ समाचार





रायपुर। बी.सी.सी.आई. द्वारा आयोजित सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी 2026-27 में छत्तीसगढ़ की टीम को अपने दूसरे मुकाबले में रोमांचक हार का सामना करना पड़ा।

16 नवंबर 2026 को ईडन गार्डन्स मैदान, कोलकाता में खेले गए मुकाबले में हैदराबाद ने छत्तीसगढ़ को अंतिम गेंद पर 1 विकेट से हरा दिया। हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी छत्तीसगढ़ की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने मात्र 7 रन के स्कोर पर अपने शुरुआती 2 विकेट गंवा दिए। हालांकि, देव आदित्य सिंह ने 47 रन और आयुष पांडे ने 37 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलकर टीम को संभालने का प्रयास किया। इनके अलावा प्रतीक यादव ने 21 रन तथा शशांक चंद्राकर ने 17 रन का योगदान दिया। छत्तीसगढ़ की पूरी टीम 19.2 ओवर में 168 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। हैदराबाद की ओर से अजय देवगौड़ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके। वहीं चामा मिलिंद ने 3 और रक्षण रेड्डी ने 2 विकेट हासिल किए। 169 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की टीम ने आखिरी गेंद तक चले रोमांचक मुकाबले में 9 विकेट खोकर 169 रन बनाए और 1 विकेट से जीत दर्ज की। हैदराबाद की ओर से हिमातेजा ने 37 रन तथा अभिरथ रेड्डी ने 34 रन की उपयोगी पारियां खेलीं। छत्तीसगढ़ की ओर से देव आदित्य सिंह, विजय यादव और जयंत यादव ने 2-2 विकेट हासिल किए। इस तरह हैदराबाद ने बेहद रोमांचक मुकाबले में छत्तीसगढ़ को 1 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में महत्वपूर्ण जीत दर्ज की।

जय शाह लगातार दूसरी बार बने आईसीसी चेयरमैन छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के वर्तमान चेयरमैन जय शाह को लगातार दूसरी बार निर्विरोध रूप से आईसीसी चेयरमैन पद पर पुनर्नियुक्त किया गया है। उनकी इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। जय शाह के नेतृत्व में आईसीसी ने विश्व स्तर पर क्रिकेट के विस्तार, उभरते क्रिकेट देशों को अधिक अवसर प्रदान करने, महिला क्रिकेट को प्रोत्साहित करने और खेल की लोकप्रियता बढ़ाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। उनके दूसरे कार्यकाल से वैश्विक क्रिकेट को और अधिक मजबूती मिलने के साथ ही खेल के विकास को नई दिशा और गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने जय शाह को बधाई देते हुए उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

श्री रामलला दर्शन योजना से साकार हो रहा हजारों श्रद्धालुओं का सपना, राजनांदगांव से अयोध्या धाम के लिए विशेष ट्रेन रवाना

नीलू शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर तीर्थयात्रियों को किया रवाना

श्रीकंचनपथ समाचार



रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी रामलला दर्शन योजना प्रदेश के हजारों श्रद्धालुओं के लिए आस्था, विश्वास और आध्यात्मिक आनंद की अनुपम सौगात बन रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित इस योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं का अयोध्या धाम में प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का सपना निरंतर साकार हो रहा है। इसी क्रम में आज 16 नवंबर को राजनांदगांव रेलवे स्टेशन से श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत विशेष ट्रेन अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर रेलवे स्टेशन का वातावरण श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा। तीर्थयात्रियों के चेहरों पर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन की खुशी और उत्सुकता स्पष्ट दिखाई दी।

राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, राजनांदगांव के महापौर मधुसूदन यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, कोमल सिंह राजपूत, पूर्व सांसद प्रदीप गांधी एवं खुबचंद पारख ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर विशेष ट्रेन को अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने तीर्थयात्रियों को सुखद, मंगलमय और सफल यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित श्री रामलला दर्शन योजना प्रदेशवासियों की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक भावनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की यात्रा कर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

भगवान श्रीराम का छत्तीसगढ़ से गहरा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध रहा है। छत्तीसगढ़ को भगवान श्रीराम का ननिहाल माना जाता है। यहां के जनजीवन, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक विरासत में भगवान श्रीराम के प्रति अगाध श्रद्धा समाहित है। ऐसे में श्री रामलला दर्शन योजना प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखती है। राज्य सरकार की इस पहल से उन श्रद्धालुओं को भी अयोध्या धाम की यात्रा करने का अवसर मिल रहा है, जिनके लिए विभिन्न कारणों से स्वयं तीर्थयात्रा की व्यवस्था करना कठिन होता है।

यह योजना श्रद्धालुओं की धार्मिक आकांक्षाओं को पूरा करने के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपराओं को भी सशक्त बना रही है। श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ से अयोध्या धाम की तीर्थयात्रा निरंतर जारी है। योजना के तहत अब तक कुल 64 विशेष ट्रेनों के माध्यम से लगभग 54 हजार 400 श्रद्धालु अयोध्या धाम पहुंचकर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त कर चुके हैं।

यह उपलब्धि प्रदेश में योजना के व्यापक क्रियान्वयन और श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था को दर्शाती है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से श्रद्धालुओं को विशेष ट्रेनों के माध्यम से अयोध्या धाम की यात्रा कराई जा रही है। योजना के प्रति श्रद्धालुओं में लगातार उत्साह देखा जा रहा है।

प्रदेश के हजारों श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या धाम की यात्रा जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण आध्यात्मिक अनुभव है। प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का अवसर मिलने से श्रद्धालुओं की वर्षों पुरानी अभिलाषा पूरी हो रही है।

राजनांदगांव से रवाना हुई श्री रामलला दर्शन विशेष ट्रेन के दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचने पर तीर्थयात्रियों का उत्साहपूर्ण स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारा, जिला प्रशासन के अधिकारी तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड, आईआरसीटीसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने तीर्थयात्रियों से मुलाकात कर उन्हें अयोध्या धाम की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्रद्धालुओं में प्रभु श्रीरामलला के दर्शन को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की सुविधा और आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए संबंधित विभागों एवं संस्थाओं द्वारा समन्वय किया जा रहा है।

राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें- कलेक्टर

सूरजपुर। कलेक्टर रेना जमील ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर अनुविभाग और तहसीलवार राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आमजन से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर जमील द्वारा बैठक में फौती नामांतरण, सीमांकन, डायवर्सन, त्रुटि सुधार सहित अन्य राजस्व प्रकरणों की अनुविभाग एवं तहसीलवार समीक्षा की गई। कलेक्टर जमील ने लंबित मामलों का प्राथमिकता से निराकरण करने और समय-सीमा के बाहर लंबित सभी प्रकरणों को शत-प्रतिशत निराकरण करने के निर्देश दिए।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

शराब भट्ठी के सुपरवाइजर ने लगाई फांसी

रायपुर। रायपुर के सिलतरा में शराब भट्ठी के एक सुपरवाइजर ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान प्रशांत वर्मा के रूप में हुई है। वे मांढर स्थित शराब भट्ठी में पदस्थ था। घटना से पहले उन्होंने अपनी मां और पत्नी को मोबाइल पर एक मैसेज भेजा था। अब तक सामने आई जानकारी के मुताबिक उन्होंने दफ्तर में चल रही परेशानियों का जिक्र भी किया है। घटना सिलतरा बाजार चौक स्थित प्रशांत के घर की है। सूचना मिलने पर सिलतरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की। पुलिस अब मृतक के मोबाइल में मिले मैसेज और उसमें लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, प्रशांत ने आत्महत्या से पहले मां और पत्नी को संदेश भेजा था। इसमें उन्होंने मांढर शराब भट्ठी में पदस्थ दो कर्मचारियों को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

चिट्टा बेचने वाला युवक गिरफ्तार

रायपुर। शहर में नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी तालाब के पास चिट्टा (हेरोइन) बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा था। आजाद चौक पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। उसके पास से 8.16 ग्राम चिट्टा और बिक्री के 1,800 रुपए नकद मिले हैं। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल एक्टिवा भी जब्त की है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 2 लाख 13 हजार रुपए बताई गई है। 15 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कारी तालाब के पास एक व्यक्ति मादक पदार्थ लेकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। वहां मुखबिर के बताए हुलिए का एक युवक मिला, जिसे पकड़कर पूछताछ की गई। आरोपी ने अपना नाम अमित देवांगन उर्फ वासु (35) बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से 8.16 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। इसकी कीमत करीब 1 लाख 63 हजार 200 रुपए बताई गई है।

रेलवे टिकट की अवैध खरीद-बिक्री मामले में दो पर हुई कार्रवाई

जांजगीर-चांपा। रेलवे टिकट की अवैध खरीद बिक्री मामले में आरपीएफ चांपा ने दो लोगों के खलाफ रेलवे अधिनियम की धारा के तहत कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार बिलासपुर के अन्नपूर्णाकॉल निवासी उत्कर्ष पासी और बिलासपुर में कार्यरत रेलवे के कुली धनीराम यादव द्वारा अवैध रूप से रेलवे के आरक्षित टिकट का अवैध तरीके से खरीद बिक्री करते है। इसे लेकर उनसे पूछताछ की गई। जांच में 2510 रुपए एक एसी आरक्षित टिकट मिला। इस मामले में उन्होंने स्वीकार किया कि यह टिकट उनके द्वारा लाभ लेने के लिए बनाया गया था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अवैध टिकट के इस खेल में 300 से 400 प्रति टिकट अतिरिक्त लिए जाने की भी जानकारी मिली है।

धान खरीदी के बीच प्रशासन की कार्रवाई, दो राइस मिलों से 34 हजार क्विंटल से अधिक धान और चावल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने के साथ ही अवैध भंडारण और कस्टम मिलिंग से जुड़ी अनियमितताओं पर प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है। धमतरी जिले में इसी अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम भोयना स्थित ए.के. राइस इंडस्ट्रीज की दो इकाइयों से कुल 32 हजार 878 क्विंटल धान और एक हजार 425 क्विंटल चावल सहित 34 हजार 303 क्विंटल खाद्यान्न जब्त किया है। जांच के दौरान संबंधित फर्म द्वारा स्टॉक पंजी प्रस्तुत नहीं किए जाने पर यह कार्रवाई की गई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ हो चुकी है, जो 15 जनवरी 2027 तक संचालित होगी। इस दौरान वास्तविक किसानों को खरीदी व्यवस्था का लाभ दिलाने, धान के अवैध भंडारण पर अंकुश लगाने और कस्टम मिलिंग व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा लगातार जांच की जा रही है।

इसी क्रम में कलेक्टर के निर्देश पर 16 नवंबर को संयुक्त जांच दल ने ग्राम भोयना स्थित ए.के. राइस इंडस्ट्रीज एवं ए.के. राइस इंडस्ट्रीज यूनिट-2 का औचक निरीक्षण किया। टीम ने दोनों राइस मिलों में उपलब्ध धान एवं चावल के भंडारण की जांच करते हुए संबंधित अभिलेखों का परीक्षण करने का प्रयास किया। अनुविभागीय अधिकारी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान फर्म के संचालक अकील अहमद खान मौके पर उपस्थित नहीं थे। जांच दल द्वारा फर्म के मुंशी सोहेल रजा से भंडारित धान एवं चावल की स्टॉक पंजी मांगी गई, लेकिन वे संबंधित अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद संयुक्त टीम ने दोनों इकाइयों में उपलब्ध खाद्यान्न का भौतिक सत्यापन किया।



जांच में दोनों राइस मिलों में लगभग 80 हजार कट्टों में भंडारित 32 हजार 878 क्विंटल धान तथा एक हजार 425 क्विंटल चावल पाया गया। स्टॉक पंजी उपलब्ध नहीं होने के कारण जांच दल ने नियमानुसार संपूर्ण खाद्यान्न जब्त कर मौके पर उपस्थित मुंशी सोहेल रजा की सुपुर्दगी में सौंप दिया।

उल्लेखनीय है कि दोनों राइस मिलों द्वारा वर्तमान में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत कस्टम मिलिंग का चावल जमा करने का कार्य किया जा रहा है। ऐसे में भंडारित खाद्यान्न से संबंधित स्टॉक पंजी प्रस्तुत नहीं किए जाने को गंभीरता से लेते हुए कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश, 2016 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान खरीदी और कस्टम मिलिंग व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए निरीक्षण एवं जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। खाद्यान्न के भंडारण, परिवहन और मिलिंग से संबंधित निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा, ताकि धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, व्यवस्थित और किसानों के हितों के अनुरूप संचालित हो सके।

अफेयर के शक में युवक की हत्या, सीमेंट की बोरी से शव बांधकर तालाब में फेंका, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के तिल्दा-नेवरा थाना क्षेत्र में पति ने अपने भतीजे के साथ मिलकर 22 साल के युवक की हत्या कर दी। आरोपियों ने पहले टंगिया से उसके सिर, गर्दन और शरीर पर कई वार किए। फिर शव को सीमेंट की बोरी से बांधकर तालाब में फेंक दिया। पुलिस ने मामले में चाचा और भतीजे को गिरफ्तार कर लिया है। मामला ग्राम बेमता का है। मृतक की पहचान पुरुषोत्तम पाल (22) के रूप में हुई है। वह 14 नवंबर को दोपहर करीब 3:30 बजे बेमता ईंट भट्ठे के पास से लापता हो गया था। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद 15 नवंबर को उसके पिता धनेश पाल ने थाने में गुमशुदगी की सूचना दी।

पुलिस की जांच में सामने आया कि गांव के शंकर पाल को अपनी पत्नी और पुरुषोत्तम के बीच प्रेम संबंध होने का शक था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच पहले भी विवाद हो चुका था।

घटना वाले दिन शंकर पाल, उसका भतीजा किशन उर्फपिंटू यादव और पुरुषोत्तम एक साथ देखे गए थे। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने शंकर और किशन को हिरासत में लेकर पूछताछ की।



पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में किशन ने अपने चाचा शंकर के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाने की बात स्वीकार की। दोनों ने पुरुषोत्तम पर टंगिया से सिर, गर्दन और शरीर पर कई वार किए। हमले में उसकी मौत हो गई।

इसके बाद आरोपियों ने शव को सीमेंट की बोरी से बांधकर गांव के मंजरी डबरी तालाब में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर तालाब से शव बरामद किया। शव पर धारदार हथियार से चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी सबूत जुटाए। आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल टंगिया, मृतक का डंडा और मृतक समेत दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

15 दिन से लापता महिला का मिला कंकाल, तेंदुए के हमले की आशंका, पुलिस-वन विभाग ने शुरू की जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले के ग्राम गातापार में 15 दिनों से लापता 70 वर्षीय महिला का कंकाल रविवार को धान के खेत में मिला। ग्रामीणों ने तेंदुए के हमले में महिला की मौत होने की आशंका जताई है। उनका दावा है कि इलाके में पहले भी तेंदुआ दिखाई दिया था और आसपास के गांवों में मवेशियों का शिकार हुआ है। हालांकि, महिला की मौत की असली वजह जांच के बाद ही पता चलेगी।पुलिस, वन विभाग और फॉरेंसिक टीम मामले की जांच कर रही है।

परिजनों के मुताबिक, अनुसूईया बाई करीब 15 दिनों से लापता थी। काफी तलाश करने के बाद भी उनका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने मिलकर उनकी तलाश की। जंगल, आसपास के गांवों और खेतों में भी खोजबीन की गई, लेकिन महिला का कोई सुराग नहीं मिला।



रविवार को धान के खेत में महिला का कंकाल मिलने से तलाश खत्म हुई। ग्रामीणों ने तेंदुए के हमले में उनकी मौत होने की आशंका जताई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, नवरात्रि के दौरान इलाके की सड़क पर तेंदुआ दिखाई दिया था। उस समय कई लोगों ने उसे देखा था और कुछ ने मोबाइल से उसकी तस्वीरें भी खींची थीं।

ग्रामीणों का कहना है कि आसपास के गांवों में पिछले एक-दो दिनों में गाय का भी शिकार हुआ है। घटनास्थल के आसपास तेंदुए के पंजों जैसे निशान मिलने का दावा भी किया गया है। इन घटनाओं के बाद ग्रामीणों को शक है कि महिला भी किसी जंगली जानवर का शिकार हुई होगी। हालांकि, पंजों के निशान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस और वन विभाग की टीम ने जुटाए साक्ष्य

कंकाल मिलने की सूचना पर पुलिस, वन विभाग और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। महिला के अवशेषों को जांच के लिए भेजा गया है। अब फॉरेंसिक जांच और वन विभाग की रिपोर्ट से ही पता चल सकेगा कि महिला की मौत तेंदुए के हमले में हुई या इसकी कोई दूसरी वजह थी। छुईखदान थाना प्रभारी केसरी साहू ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फॉरेंसिक और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई थी। टीम ने घटनास्थल की जांच कर जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। कंकाल को जांच के लिए भेजा जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत की असली वजह पता चल सकेगी।

कोरबा में रेप के 2 मामलों में आरोपी गिरफ्तार

एक पर फोटो वायरल करने की धमकी, दूसरे पर छात्रा को शादी का झांसा देने का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के उरगा थाना क्षेत्र में रेप के 2 अलग-अलग मामलों में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पहले मामले में पीड़िता ने तुषार अनंत उर्फ पिंटू (19), निवासी पताढ़ी और हाल मुकाम श्रवण मोहल्ला, हरदीबाजार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता के मुताबिक, दोनों की मुलाकात कनकी मेले में हुई थी। इसके बाद उन्होंने एक-दूसरे के मोबाइल नंबर लिए और मिलना-जुलना शुरू कर दिया। आरोप है कि तुषार ने शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर फोटो वायरल



करने और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पीड़िता ने उरगा थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने अपराध क्रमांक 629/2026 के तहत बीएनएस की धारा 64, 351(3) और एनडीपीएस एक्ट की धारा 4, 6 में केस दर्ज किया। पुलिस ने 15 नवंबर को आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया।

दूसरा मामला: दो साल तक शादी का झांसा देने का आरोप

दूसरे मामले में दसवीं की छात्रा ने कृष्ण कुमार कंवर (21), निवासी ग्राम जुनवानी, थाना उरगा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। छात्रा का आरोप है कि आरोपी दो साल से शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बना रहा था। शिकायत के मुताबिक, छात्रा ने जब आरोपी से शादी करने की बात कही तो वह टालने लगा। बाद में उसने अलग जाति और परिजनों की असहमति का हवाला देकर शादी करने से इनकार कर दिया। इसके बाद छात्रा ने थाने में लिखित शिकायत दी। पुलिस ने अपराध क्रमांक 632/2026 के तहत बीएनएस की धारा 69 में केस दर्ज किया।

हाईवा ने बाइक को मारी टक्कर, किसान की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर के मस्तूरी में सोमवार शाम तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक चालक किसान की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक के पीछे बैठे पिता और 8 वर्षीय बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया है। मस्तूरी पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। ग्राम रिस्दा निवासी सोमनाथ श्रीवास (40) पेशे से किसान था। गांव में रहने वाले राकेश यादव के आठ वर्षीय बेटे शौर्य की तबीयत खराब थी। सोमवार को राकेश के कहने पर सोमनाथ अपनी बाइक से राकेश और शौर्य को इलाज कराने बिलासपुर लेकर आए थे। डॉक्टर को दिखाने के बाद तीनों शाम को वापस अपने गांव रिस्दा लौट रहे थे।

तीनों मस्तूरी पहुंचे, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार हाईवा के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक चला रहे सोमनाथ सीधे ट्रक के पहियों के नीचे आ गए, जिससे मौके पर



ही मौत हो गई। वहीं, पीछे बैठे राकेश यादव और मासूम शौर्य उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को लोगों ने तत्काल सिम्स में भर्ती कराया, जहां दोनों उपचार जारी है। इस हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह भीड़ को नियंत्रित कर यातायात बहाल कराया।

पुलिस ने मृतक सोमनाथ के शव को कब्जे में लेकर मॉर्चुरी भिजवा दिया, मंगलवार की सुबह शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया, जिसके बाद उसे परिजन को सौंप दिया गया।

6 साल की छात्रा के सामने शिक्षक ने की अश्लील-हरकत कुर्सी पर बैठकर दिखाया अपना प्राइवेट पार्ट, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज



रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में सरकारी स्कूल के शिक्षक पर 6 साल की छात्रा के सामने अश्लील हरकत करने का आरोप लगा है। बताया गया है कि शिक्षक ने बच्ची और एक अन्य छात्र को दूसरे कमरे में ले जाकर अपना प्राइवेट पार्ट दिखाया।

घटना के बाद बच्ची स्कूल जाने से डरने लगी। उसने अपनी नानी को पूरी बात बताई, जिसके बाद महिला ने घरघोड़ा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

स्कूल जाने से मना किया तो नानी को बताई बात

पुलिस के मुताबिक, घरघोड़ा थाना क्षेत्र की एक महिला ने शुक्रवार को अपनी 6 साल 4 महीने की नातिन के साथ हुई घटना की शिकायत दर्ज कराई। बच्ची प्राथमिक स्कूल में पढ़ती है। शुक्रवार को जब नानी ने उसे स्कूल जाने के लिए कहा, तो उसने मना कर दिया। नानी ने स्कूल नहीं जाने की वजह पूछी तो बच्ची ने बताया कि 12 नवंबर की दोपहर स्कूल के शिक्षक अजय कुमार (52), निवासी ग्राम ठूसेकेला, उसे और कक्षा के एक अन्य बालक को दूसरे कमरे में ले गए थे। बच्ची के मुताबिक, शिक्षक कुर्सी पर बैठकर अपना प्राइवेट पार्ट दिखाने लगा। यह देखकर वह कमरे से बाहर निकल गई। बच्ची की बात सुनने के बाद नानी ने गांव के प्रमुख लोगों को जानकारी दी और डायल 112 को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने महिला को शिकायत दर्ज कराने के लिए घरघोड़ा थाने भेजा। पुलिस ने महिला की रिपोर्ट पर आरोपी शिक्षक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 और पॉक्सो एक्ट की धारा 8 व 12 के तहत अपराध दर्ज किया। इसके बाद आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ और जांच की गई। पुलिस ने विवेचना के बाद आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामले की जांच जारी है।

चरित्र शक में पति ने पत्नी-बेटे को पीटा, बच्चे ने अस्पताल में तोड़ा दम, मां घायल, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के कटघोरा के सलोरा गांव में चरित्र पर शक करने पर एक पति ने अपनी पत्नी और ढाई महीने के बेटे पर जलाऊ लकड़ी से हमला कर दिया। मां ने हाथ से वार रोकने की कोशिश की, लेकिन गोद में मौजूद मासूम के सिर पर गंभीर चोट लग गई।

परिजन दोनों को अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई। महिला का इलाज जारी है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला कटघोरा थाना क्षेत्र का है।

घटना 15 नवंबर 2026 की रात करीब 8 बजे की है। महिला ने कटघोरा थाने में शिकायत दर्ज



कराई। उसने बताया कि पति उसके चरित्र पर शक करता था और गाली-गलौज व मारपीट करता था।

शिकायत के मुताबिक, महिला 15 नवंबर की रात छोटे बेटे सोमू को गोद में लेकर दूध पिला रही थी। तभी पति द्वारिका प्रसाद केंवट ने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उसने घर में रखी जलाऊ लकड़ी से हमला किया।

महिला ने हाथ से सिर बचाने की कोशिश की, जिससे उसकी दाहिनी कलाई में चोट आई। गोद में मौजूद ढाई माह के सोमू के सिर के बाएं हिस्से में भी गंभीर चोट लगी और सूजन आ गई। चीख-पुकार सुनकर जेठ राजू केंवट और जेठानी सुमित्रा केंवट ने बीच-बचाव किया। घायल मां-बेटे को कटघोरा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी द्वारिका प्रसाद केंवट (29) के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया है। उसे जेल भेज दिया गया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: व्यक्तिगत सूचना ::-

(रा.प्र.क्र./2026091010000030/अ-6/वर्ष 2025-26)

प्रति,

खोमोश एवं अन्य 02 पिता मोतीलाल

निवासी-पुरानी बस्ती कुरूद भिलाई

पक्षकार-श्रीमती सुधा उपाध्याय पति राजीव उपाध्याय

निवासी-जवाहर नगर सुपेला भिलाई

विरूद्ध

अनावेदक- छ.ग. शासन

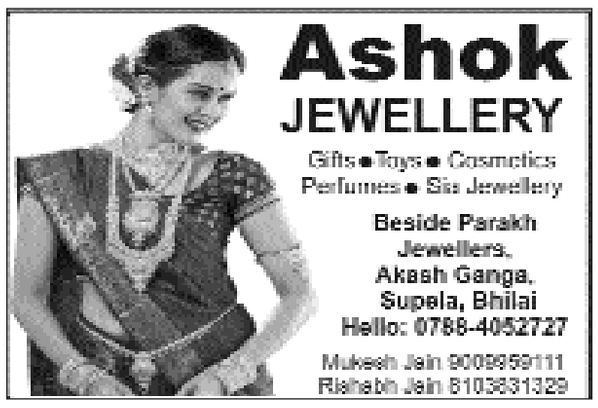
सूचित किया जाता है इस न्यायालय का रा.प्र.क्रं. 2026091010000030/अ-6/वर्ष 2025-26 आवेदक-श्रीमती सुधा उपाध्याय पिता/पति/विभाग-राजीव उपाध्याय पता-जवाहर नगर सुपेला भिलाई द्वारा ग्राम-कुरुद प.ह.न. 46 रा.नि.म. कोहका, तहसील व जिला-दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.न. 656/2 रकबा 0.186 हे. भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर बैनामा दिनांक 02/03/2020 को विक्रेता-खोमेश पिता/पति/विभाग- मोती लाल पता-कुरूद अन्य 2 से क्रय किया है कि नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है। अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 25/11/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज 27/10/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

बुजुर्ग को धमकी देने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

बिलासपुर। पुरानी रंजिश के चलते बुजुर्ग महिला को रास्ते में रोककर गाली-गलौज और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी देने वाले हिस्ट्रीशीटर को सीपत पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ जिलाबदर की कार्रवाई भी कर रही है। ग्राम सेलर निवासी रामकुमारी साहू (60) ने 14 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पिछले साल उनके बेटे लक्ष्मीनारायण ने आरोपी दीपक साहू के भाई विशाल की फसल हार्वेस्टर से काटी थी। इसी बात को लेकर 13 नवंबर की दोपहर करीब 12 बजे जब वे डॉक्टर के पास जा रही थीं, तब गुडीपारा निवासी दीपक साहू (39) ने रास्ता रोक लिया। उसने अश्लील गाली-गलौज करते हुए बटनदार चाकू दिखाया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चाकू जब्त किया।







खास खबर



बोन टीबी : घुटनों के बल चलने वाली दीपिका को मिला नवजीवन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व और संवेदनशील पहल ने सुकमा जिले की एक होनहार बेटी के जीवन में नया उजाला भर दिया है। कभी गंभीर बीमारी के कारण घुटनों के बल चलने को मजबूर रहीं दीपिका नाग ने अपनी मेहनत और शासन की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के दम पर हड्डी की टीबी (बोन टीबी) जैसी गंभीर बीमारी को मात दे दी है। आज वह जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 11वीं की मेधावी छात्रा के रूप में अपने सुनहरे भविष्य का निर्माण कर रही हैं। सुकमा जिले के छिंदगढ़ विकासखंड के ग्राम बकुला घाट निवासी स्व. तुलसीराम नाग की पुत्री दीपिका को वर्ष 2020 में गंभीर शारीरिक तकलीफ के चलते जिला अस्पताल लाया गया था। स्थिति यह थी कि वह अपने पैरों पर खड़े होने में भी असमर्थ थीं और घुटनों के बल चलने को मजबूर थीं। जिला अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश कुशवाहा ने गहन जांच के बाद पाया कि दीपिका को 'बोन टीबी' है। स्वास्थ्य अमले ने बच्ची को जिले में ही सर्वोत्तम चिकित्सा देने का निर्णय लिया। एक महीने तक उनकी सघन निगरानी की गई। लगभग दो वर्षों तक दीपिका का निरंतर और पूरी तरह नि:शुल्क उपचार चला। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत उन्हें नियमित जांच और पोषण आहार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस दौरान दीपिका का वजन 15 किलोग्राम बढ़ा। बीमारी को हराने के बाद दीपिका ने अपने दृढ़ संकल्प के बल पर जवाहर नवोदय विद्यालय, सुकमा की प्रवेश परीक्षा पास की और आज वह अपनी पढ़ाई पूरी लगन के साथ कर रही हैं। प्रशासन लगातार उसके स्वास्थ्य की मॉनिटरिंग कर रहा है। दिवाली की छुट्टियों के दौरान जिला टीबी समन्वयक जयनारायण सिंह ने दीपिका का फॉलोअप लिया। इस दौरान उन्हें वर्ष 2020 की वह पुरानी तस्वीर दिखाई गई जब वह अस्पताल में भर्ती थीं।

कचरे से बनेगी स्वच्छ ऊर्जा और जैविक खाद : मुख्यमंत्री ने देखा निर्माणाधीन सीबीजी संयंत्र

- सेंदरी में 75 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा सीबीजी संयंत्र
- प्रतिदिन 130 टन कचरे से बनेगा 5 टन बायोगैस और 16 टन जैविक खाद

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर प्रवास के दौरान ग्राम सेंदरी में गोवर्धन योजना अंतर्गत भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) द्वारा विकसित किए जा रहे कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र का अवलोकन किया। उन्होंने परियोजना की प्रगति, कचरा प्रसंस्करण की प्रस्तावित व्यवस्था तथा गैस एवं जैविक खाद उत्पादन की प्रक्रिया की जानकारी ली। लगभग 75 करोड़ रुपए की स्वीकृत लागत से विकसित हो रहे इस संयंत्र में प्रतिदिन 130 टन नगरीय ठोस अपशिष्ट का प्रसंस्करण कर लगभग 5 टन कंप्रेस्ड बायोगैस और 16 टन ठोस जैविक खाद का उत्पादन प्रस्तावित है।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कचरे के उपयोग से स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की दिशा में की जा रही इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि कचरे से बायोगैस और जैविक खाद बनाने जैसी परियोजनाएं शहरों की स्वच्छता के साथ संसाधनों के बेहतर उपयोग का मार्ग प्रशस्त करती हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और किसानों को उपयोगी जैविक खाद भी उपलब्ध हो सकेगी।

लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही यह परियोजना बिलासपुर नगर निगम एवं छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल डेवलपमेंट अथॉरिटी के सहयोग से आकार ले रही है।

संयंत्र से उत्पादित सॉलिड फ्रैक्शन ऑफ ऑर्गेनिक मैन्योर का उपयोग जैविक खाद के रूप में किया जा सकेगा। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना स्थल पर प्रमुख सिविल कार्यों एवं आधारभूत संरचनाओं का निर्माण जारी है। निर्माण कार्यों के दौरान प्रतिदिन लगभग 150 श्रमिकों को रोजगार मिल रहा है।

जनजातीय नायकों के जीवन से प्रेरणा लेकर विकसित छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण में सहभागी बनें : मुख्यमंत्री

शिक्षा, खेल, कला और समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 28 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास साहस, स्वाभिमान, संघर्ष और अपनी संस्कृति एवं परंपराओं की रक्षा का इतिहास है। देश की स्वतंत्रता और समाज के अधिकारों के लिए जनजातीय नायकों ने जो त्याग और बलिदान दिया है, वह हमारी अमूल्य धरोहर है। हमें अपने महान जननायकों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर शिक्षा, आत्मनिर्भरता और विकास के माध्यम से समाज को आगे बढ़ाना है तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी है।



मुख्यमंत्री श्री साय बिलासपुर के लाल बहादुर शास्त्री स्कूल मैदान में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 120 करोड़ की लागत के 16 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल फूंका और जनजातीय समाज को अपनी संस्कृति, परंपराओं तथा अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित किया। उन्होंने तीर-कमान के बल पर अंग्रेजी सत्ता को चुनौती देकर साहस और स्वाभिमान का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत कर जनजातीय समाज के ऐतिहासिक योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज ने 1857 की क्रांति से पहले ही संघर्ष शुरू कर दिया था। अमर शहीद वीर नारायण सिंह ने अकाल के समय भूख से व्याकुल लोगों की सहायता की और अन्याय एवं शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई। ऐसे महान जननायकों का संघर्ष और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय में प्रदेश के जनजातीय नायकों के गौरवशाली इतिहास और उनके संघर्ष की स्मृतियों को संजोया गया है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों, विशेषकर युवाओं से इस संग्रहालय का अवलोकन कर अपने महान पूर्वजों के योगदान को जानने और उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने जनजातीय समाज के कल्याण के लिए पृथक जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन कर विकास को नई दिशा दी। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर प्रदेशवासियों की वर्षों पुरानी आकांक्षाओं को भी साकार किया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सम्मान, अधिकारों की रक्षा और सर्वांगीण विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि पीएम जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाओं के माध्यम से दूरस्थ जनजातीय अंचलों में आवास, सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। मोबाइल मेडिकल यूनिट से दूरस्त इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना और महतारी वंदन योजना से जनजातीय परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों, उच्च शिक्षण संस्थानों और छात्रावास सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से जनजातीय विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। ओरछा और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी विकसित की जा रही हैं। जिन क्षेत्रों में कभी भय और हिंसा के कारण विकास बाधित था, वहां अब शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और आजीविका की सुविधाएं पहुंच रही हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जनजातीय गौरव दिवस अपने महान पूर्वजों के संघर्ष और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का अवसर है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस उन महान नायकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिन्होंने देश और समाज के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

वनवासी कल्याण आश्रम के योगेश बापट ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने लगभग 25 वर्ष के अल्प जीवनकाल में अपने संघर्ष और जनसेवा से जनमानस के हृदय में भगवान का स्थान प्राप्त किया।

28 प्रतिभाओं का सम्मान

इस अवसर पर बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्ष पर लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री ने जनजातीय जननायकों पर केंद्रित फोटो प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 28 प्रतिभाओं को सम्मानित किया। समारोह में विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, सुशांत शुक्ला, दिलीप लहरिया एवं अटल श्रीवास्तव, महापौर पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, पाठ्यपुस्तक निगम अध्यक्ष राजा पांडे, आयोजन समिति गोंडवाना गोंड महासभा के अध्यक्ष शिशुपाल सिंह शोरी, उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय ने गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का किया अनावरण

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर प्रवास के दौरान गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में स्थापित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए देश की स्वतंत्रता, जनजातीय समाज के अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए उनके महान संघर्ष एवं बलिदान का स्मरण किया।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव, स्वाभिमान और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे। उन्होंने जनजातीय समाज को संगठित कर ऐतिहासिक उलगुलान आंदोलन का नेतृत्व किया। जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष देश के इतिहास का गौरवशाली अध्याय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा विद्यार्थियों और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का केंद्र बनेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित जनजातीय वीथिका का अवलोकन किया। उन्होंने यहाँ प्रदर्शित जनजातीय महापुरुषों के जीवन, उनके संघर्ष, वीरता और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान से जुड़ी जानकारियों को देखा तथा इसकी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय वीर नायकों का साहस और बलिदान हमारी गौरवशाली विरासत का अमूल्य हिस्सा है। जनजातीय वीथिका के माध्यम से विद्यार्थियों और युवाओं को अपने महान नायकों के इतिहास, संस्कृति और योगदान को जानने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल एवं सुशांत शुक्ला, विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक चक्रवाल, क्रेडा के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पांडे, महापौर पूजा विधानी, आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर वित्त मंत्री ने पत्रकार बंधुओं को दी बधाई एवं शुभकामनाएं

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर प्रदेश के समस्त पत्रकार बंधुओं एवं मीडिया जगत से जुड़े सभी साथियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जो जनजागरूकता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकारिता समाज को नई दिशा देने के साथ ही शासन और जनता के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है। श्री चौधरी ने कहा कि प्रदेश की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में पत्रकारों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सत्य, निष्पक्षता और निर्भीकता के साथ समाज एवं राष्ट्रहित में निरंतर समर्पित पत्रकार साथियों के योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री ने सेन्द्री में किया धान खरीदी का शुभारंभ, 5.65 लाख क्विंटल संग्रहित



श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। किसानों की मेहनत को सम्मान और उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज बिलासपुर जिले के सेन्द्री स्थित धान उपार्जन केंद्र से खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए धान खरीदी महाअभियान का शुभारंभ किया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री साय ने इसके एक दिन पूर्व 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ से प्रदेशव्यापी धान खरीदी महाअभियान का शुभारंभ किया था।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में धान खरीदी की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और विभिन्न जिलों में उपार्जन की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है।

राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के किसानों की सुविधा के लिए इस वर्ष कुल 3100 धान उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनमें से 2,847 केंद्रों में टोकन जारी करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जबकि 2,030 केंद्रों में धान खरीदी शुरू हो गई है। धान खरीदी अभियान के तहत शाम 7 बजे तक की प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में कुल 5 लाख 64 हजार 470 क्विंटल धान का उपार्जन किया जा चुका है। इसमें 3 लाख 26 हजार 110 क्विंटल मोटा धान एवं 2 लाख 16 हजार 482 क्विंटल पतला धान तथा 21 हजार 877 क्विंटल सरना धान शामिल है।

सर्वाधिक बालोद जिले में 67,125.20 क्विंटल धान का उपार्जन

जिलावार धान खरीदी के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार आज सर्वाधिक बालोद जिले में 67,125.20 क्विंटल धान का उपार्जन हुआ है। वहीं राजनांदगांव जिले में 64,095.60 क्विंटल और महासमुंद जिले में 56,454 क्विंटल धान की खरीदी समर्थन मूल्य पर की गई है।

सुव्यवस्थित खरीदी, टोकन तथा पारदर्शी प्रक्रिया

प्रदेश में धान खरीदी के लिए की गई व्यापक व्यवस्थाओं से किसानों को अपनी उपज के विक्रय के लिए सुविधाजनक अवसर मिल रहा है। राज्य सरकार द्वारा उपार्जन केंद्रों में सुव्यवस्थित खरीदी, टोकन व्यवस्था तथा पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार किसानों की आर्थिक समृद्धि, कृषि क्षेत्र के विकास और अन्नदाताओं को उनकी मेहनत का उचित प्रतिफल दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। धरमजयगढ़ से शुरू हुआ धान खरीदी महाअभियान अब सेन्द्री सहित प्रदेश के विभिन्न उपार्जन केंद्रों में आगे बढ़ रहा है, जिससे किसानों में उत्साह का वातावरण है।

जनजातीय गौरव दिवस पर तेंदूपत्ता बोनस वितरण प्रारंभ

- 4.25 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों को मिलेगा 62.27 करोड़ रुपये का बोनस
- सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से भी हजारों परिवारों को भी लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में 15 नवंबर को आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह में तेंदूपत्ता संग्राहकों को प्रोत्साहन पारिश्रमिक (बोनस) वितरण का शुभारंभ किया। इसके तहत संग्रहण वर्ष 2024 में लाभ अर्जित करने वाली 386 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के 4 लाख 25 हजार 507 संग्राहकों को कुल 62.27 करोड़ रुपये को प्रोत्साहन राशि वितरण की प्रक्रिया का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री केदार कश्यप, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप भी उपस्थित थे।



मुख्यमंत्री श्री साय ने जनजातीय गौरव दिवस पर किया तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस वितरण का शुभारंभ

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार वनांचल में रहने वाले आदिवासी एवं परंपरागत वनवासी परिवारों की आर्थिक समृद्धि और सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़े परिवारों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण प्रदेश के लाखों वनवासी परिवारों की आजीविका का महत्वपूर्ण साधन है। राज्य सरकार द्वारा संग्रहण पारिश्रमिक के साथ प्रोत्साहन राशि और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि संग्राहक परिवारों की आय बढ़े और उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा तेंदूपत्ता एवं अन्य अराष्ट्रीयकृत लघु वनोपज के संग्रहण और विपणन की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के प्रयास किए जा रहे हैं। संग्रहण वर्ष 2023 में लाभ वाली समितियों के 7.12 लाख संग्राहकों को जुलाई 2026 में 161 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन पारिश्रमिक दिया गया था। संग्रहण वर्ष 2024 की लाभांश राशि के रूप में 62.27 करोड़ रुपये के बोनस वितरण का शुभारंभ किया गया।

राजमोहिनी देवी तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत वर्ष 2026 में अब तक 1,556 प्रकरणों में 21.92 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। 300 नए प्रकरणों में 3.60 करोड़ की अतिरिक्त सहायता राशि का वितरण भी किया जा रहा है।

देश में सर्वाधिक 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा संग्रहण पारिश्रमिक

प्रदेश में लगभग 13.50 लाख तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार पंजीकृत हैं। राज्य सरकार द्वारा तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से पारिश्रमिक दिया जा रहा है, जो देश में सर्वाधिक है। संग्रहण वर्ष 2026 में 11.53 लाख संग्राहक परिवारों ने कुल 13.85 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया। इसके एवज में संग्राहकों को 761.90 करोड़ रुपये का संग्रहण पारिश्रमिक भुगतान किया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950